राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 श्रीलंका के हेड कोच सिल्वरवुड ने इस्तीफा दिया, | सम्पादकीय मोबाइल की लत बच्चों के लिए | रहाणे काउंटी के लिए वनडे कप में हिस्सा लेंगे 5

वर्ष 11 अंक 36 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, शुक्रवार 28 जून 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

2024 के बजट में देखने को मिलेंगे ऐतिहासिक कदम : द्रोपदी मुर्मू

राष्ट्रपति ने किया संसद को सम्बोधित

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रही हैं, जो तीसरी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के गठन के बाद उनका पहला राष्ट्रपति भाषण है। उन्होंने अभिभाषण के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि 2024 में पेश होने वाला बजट ऐतिहासिक होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां मतदाताओं का भरोसा जीतकर आए हैं। देश सेवा और जन सेवा का मौका बहुत कम लोगों को मिलता है। उन्होंने कहा, ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया है। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, देश में छह दशक के बाद पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार बनी है। लोगों ने इस सरकार पर तीसरी बार भरोसा जताया है। लोग जानते हैं कि सिर्फ यही सरकार उनकी आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है...18वीं लोकसभा कई मायनों में ऐतिहासिक लोकसभा है। इस लोकसभा का गठन अमृतकाल के शुरुआती वर्षों में हुआ था। यह लोकसभा देश के संविधान को अपनाने के 56वें वर्ष की भी साक्षी बनेगी...आगामी सत्रों में यह सरकार अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। यह बजट सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन का प्रभावी दस्तावेज होगा। बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसलों के साथ-साथ इस बजट में कई ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार ने सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है। इससे बंटवारे से पीड़ित अनेक परिवारों के लिए सम्मान का जीवन जीना तय हुआ है। जिन परिवारों को सीएए के तहत नागरिकता मिली है मैं उनके बेहतर भविष्य की कामना करती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा, एक सशक्त भारत के लिए हमारी सेनाओं में आधुनिकता जरूरी है। युद्ध की स्थिति में हम सर्वश्रेष्ठ बनें-इसके लिए सेनाओं में सुधार की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए। इसी सोच के साथ मेरी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं... पिछले एक दशक में हमारा रक्षा निर्यात 18 गुना बढ़कर 21,000 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है।

पेपर लीक की जांच करेगी केंद्र सरकार, दोषियों को सजा दी जाएगी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में कहा कि सरकार पेपर लीक की हालिया घटनाओं की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि दोषियों को सजा मिले। 18वीं लोकसभा को पहली बार संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार देश के युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने में सक्षम बनाने के लिए एक माहौल बनाने के लिए काम कर रही है। जैसे ही उन्होंने शिक्षा के मोर्चे पर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया, कुछ विपक्षी सदस्यों को एनईईटी चिल्लाते हुए सुना गया।

हमारे परिवार के लोग हमारे पास आ गए हैं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री मोदी की पहल अखण्ड भारत की याद दिलाती है, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीएए में आवेदकों को दिये भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 में प्रदेश में पहली बार तीन लोगों को प्रदान की नागरिकता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे परिवार के लोग हमारे पास आ गए हैं। यह अपने धर्म को बचाने के लिए अपने मूल देश आये हैं। सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) के आने के बाद नागरिकता पाने वाले सभी लोगों का हम स्वागत करेंगे। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि नई पीढ़ी के यह लोग मध्यप्रदेश का हिस्सा बन रहे हैं। हमारे देश के नागरिकों के जो अधिकार हैं वही अधिकार इनको मिलेंगे। मध्यप्रदेश में इनका स्वागत है, राज्य शासन से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह लोग मध्यप्रदेश का निवासी बनकर गर्व का अनुभव करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019 में प्रदेश के प्रथम तीन आवेदकों को मंत्रालय में भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान करने के बाद चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुराखी दास, समीर मेलवानी और कुमारी संजना मेलवानी को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कठिनाई का निराकरण कर ऐसा रिश्ता पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया है जो अखण्ड भारत की याद दिलाता है। वर्ष 1947 से पहले तत्कालीन सरकार द्वारा निर्णय किया गया था कि हम अपने अपने देश में अल्पसंख्यकों की रक्षा करेंगे। इस भरोसे पर हमारे कई हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई भाई-बहन उन स्थानों में रह गए जो पहले भारत के ही भाग थे। आशा के विपरित उन देशों में हमारे धर्मावलंबियों की सुरक्षा का अभाव रहा और उन्हें कई कष्ट भोगने पड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू कर उदारता का परिचय दिया है। हमारे लिए प्रसन्नता की बात यह है कि अपने लोग अपने देश आ रहे हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए)2019 के अंतर्गत इन नियमों के लागू होने मध्यप्रदेश में प्रथम बार तीन लोगों को नागरिकता प्रदान की गई है। नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019(सीएए)2019 के तहत नागरिकता प्रदान करने के लिए नागरिकता अधिनियम 1955 में धारा 6 बी जोड़ी गई है। सीएए के तहत नागरिकता प्रदान करने के लिए प्रवासी का सम्बन्ध हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई में से किसी एक समुदाय से होना चाहिए, प्रवासी अफगानिस्तान,बंगलादेश या पाकिस्तान में से किसी एक देश का नागरिक होना चाहिए और प्रवासियों द्वारा 31 दिसम्बर 2014 का या उससे पहले भारत में प्रवेश किया होना चाहिए। सीएए के तहत आवेदन वेबसाइट पर ऑनलाइन या मोबाइल एप्लिकेशन, सीएए-2019 के माध्यम से दर्ज किया जाता है।

अरुंधति रॉय को मिला 2024 का प्रतिष्ठित पेन पिंटर पुरस्कार

नई दिल्ली। कई साल पहले कश्मीर पर की गई टिप्पणियों को लेकर यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की धमकी का सामना कर रहीं प्रख्यात लेखिका अरुंधति रॉय को गुरुवार को उनके अडिग और अडिग लेखन के लिए प्रतिष्ठित पेन पिंटर पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। इस महीने की शुरुआत में, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बुकर पुरस्कार विजेता अरुंधति रॉय और पूर्व प्रोफेसर हुसैन पर 2010 में दिल्ली में एक कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने का आरोप है, जिसमें कथित तौर पर कश्मीर के भारत से अलग होने पर चर्चा की गई थी। अरुंधति रॉय ने दुनिया के अकल्पनीय मोड़ के बीच इस साल के पेन पिंटर पुरस्कार विजेता के रूप में नामित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। 2009 में चैरिटी इंग्लिश पेन द्वारा स्थापित यह पुरस्कार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करता है और नोबेल पुरस्कार विजेता नाटककार हेरोल्ड पिंटर की याद में साहित्य का जश्न मनाता है।

छात्रवृत्ति से संबंधित लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अनुसूचित जाति -जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्रवृत्ति से संबंधित विगत वर्ष के लंबित प्रकरणों का कार्य योजना बनाकर तत्काल निराकरण किया जाए। विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में कोई परेशानी न हो। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छात्रवृत्ति में आवेदन के सत्यपान, पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और छात्रवृत्ति वितरण की समय सीमा निर्धारित की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी, जिला लोक सेवा प्रबंधक और लीड बैंक मैनेजर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित कर जिला स्तर पर अभियान चलाए जिससे छात्रों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में समस्या न हो। इसके साथ ही छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे अपात्र विद्यार्थियों का परीक्षण शिक्षण संस्थावार किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महाविद्यालय और शाला स्तर पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा उपस्थित थी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया का सरलीकरण आवश्यक है। अन्य राज्यों में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए बनाई जा रही प्रक्रिया का अध्ययन कर सामान्य प्रशासन विभाग अन्य संबंधित विभागों की टॉस्क फोर्स बनाकर कर प्रकिया के सरलीकरण के लिए तत्काल कार्रवाई करें। इसके साथ ही सभी व्यवसायिक व प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुसूचित जाति जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी उपलब्धियाँ अर्जित करें, इस उद्देश्य से प्रभावी कार्य योजना बनाई बनाई जाए। बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति के युवाओं की होमगार्ड तथा पुलिस में भर्ती को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।

शिक्षा पोर्टल से हो रही है 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति की स्वीकृति और उनका वितरण

शिक्षा पोर्टल से 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की जाकर वितरण किया जा रहा है। वर्ष 2023-24 में 64 लाख विद्यार्थियों को लगभग 330 करोड़ की छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। वर्ष 2024-25 में अब तक 92 लाख नामंकन हो चुके हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव मो.सुलेमान, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, श्री अजीत केसरी, श्री केसी गुप्ता, प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी, डॉ. ई रमेश कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आमजन की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

अकोरिया एवं मगरदेह में विधुत सब स्टेशन का भूमिपूजन संपन्न

श्योपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने विजयपुर विकासखण्ड के ग्राम अकोरिया में नवीन विधुत सब स्टेशन का भूमिपूजन करते हुए कहा कि आमजन की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगे। उन्होने कहा कि श्योपुर जिले में विकास का क्रम निरंतर जारी रहेगा। अकोरिया में लंबे समय से विधुत सब स्टेशन की मांग की जा रही थी, जिसे आज भूमिपूजन कर पूरा किया गया है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आंनद, विजयपुर विधायक रामनिवास रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, सबलगढ विधायक श्रीमती सरला रावत, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक सीताराम आदिवासी एवं बाबूलाल मेवरा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गर्ग, भाजपा जिला महामंत्री अरविन्द सिंह जादौन, शंशाक भूषण, भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम राठौर, सुमेर सिंह, जनपद सदस्य रामनिवास आदिवासी, खेरोदा कला की सरपंच सहित परिक्षित धाकड, जगदीश मिश्रा आदि जनप्रतिनिधि एवं पंचायतो के पदाधिकारी तथा बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। इसके अलावा एसडीएम विजयपुर उदयवीर सिंह सिकरवार, तहसीलदार रघुनाथपुर रवीश भदौरिया, एमपीईबी के महाप्रबंधक आरके सक्सैना, ईई पीएचई शुभम अग्रवाल, सीईओ जनपद अभिषेक त्रिवेदी आदि अधिकारी भी मौजूद रहे।

माननीय विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि ग्राम अकोरिया में नवीन विधुत सब स्टेशन की स्थापना से ग्राम अकोरिया सहित किन्नपुरा, खेरोदा कला, खेरोदा खुर्द, सुठारा, मिलावली, आंनदपुरा, मालीपुरा, साड एवं दंगलीपुरा ग्रामों को लाभ होगा। इससे लगभग 500 कृषि उपभोक्ता एवं 1700 अन्य उपभोक्ता लाभान्वित होगे।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि अकोरिया एवं मगरदेह में विधुत सब स्टेशन के लिए भूमिपूजन किया गया है, इसके अलावा ओछापुरा, बरोली, बुढेरा, रानीपुरा एवं जाखदा जागीर में भी नवीन विधुत सब स्टेशन बनाये जायेगे। शेष पृष्ठ 6 पर...

साधना को आगे बढ़ाने के लिए स्वाध्याय महत्वपूर्ण सोपान है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि - सनातन हिन्दू वैदिक संस्कृति में सद्ग्रन्थों का पठन-पाठन अर्थात् स्वाध्याय महान तप है, जो हमारी जीवनचर्या का आवश्यक अंग होना चाहिये। ग्रन्थों का अध्ययन वैचारिक नवीन्यता के साथ-साथ उत्साह, उमंग, सही दृष्टि और लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक है। अतः आत्म-सामर्थ्य के जागरण और जीवन में दिव्यता के प्रकटीकरण हेतु सद्ग्रन्थों की ओर लौटें ..! मनुष्य को परमात्मा ने सत्य व असत्य का विवेचन व विवेक करने के लिये बुद्धि दी है। यह बुद्धि जिस परिष्कृत रूप में मनुष्यों को प्राप्त है वैसी अन्य प्राणी योनियों के प्राणियों को प्राप्त नहीं है। इस बुद्धि का विषय ज्ञान की प्राप्ति करना होता है। ज्ञान प्राप्ति के अनेक साधन हैं, जिनमें माता, पिता व आचार्यों से ज्ञान प्राप्त किया जाता है। इसके अतिरिक्त आचार्यों व उपदेशक विद्वानों के उपदेशों से भी ज्ञान प्राप्त किया जाता है। इनसे भी बढ़कर मनुष्य को सद्ग्रन्थों के स्वाध्याय से सभी विषयों का ज्ञान होता है। अतः प्रत्येक मनुष्य को प्रतिदिन नियमित रूप से न्यूनतम एक घंटा व अधिक समय तक स्वाध्याय अवश्य करना चाहिये और इसमें कभी व्यवधान नहीं आने देना चाहिये। साधना को आगे बढ़ाने के लिए स्वाध्याय महत्वपूर्ण सोपान है। स्वाध्याय के समान कोई तप नहीं है, लेकिन अध्ययन के बाद उसकी गहराई में जाना भी आवश्यक है। स्वाध्याय का अर्थ लोग पुस्तक पढ़ना समझते हैं। पुस्तक पढ़ना तो स्वाध्याय का आरम्भिक स्तर मात्र है। स्वयं का अध्ययन करना ही विशुद्ध रूप से स्वाध्याय है। जो व्यक्ति स्वयं का अध्ययन करता है तो उसे कई कमियाँ अपने अन्दर दिखाई देती है।

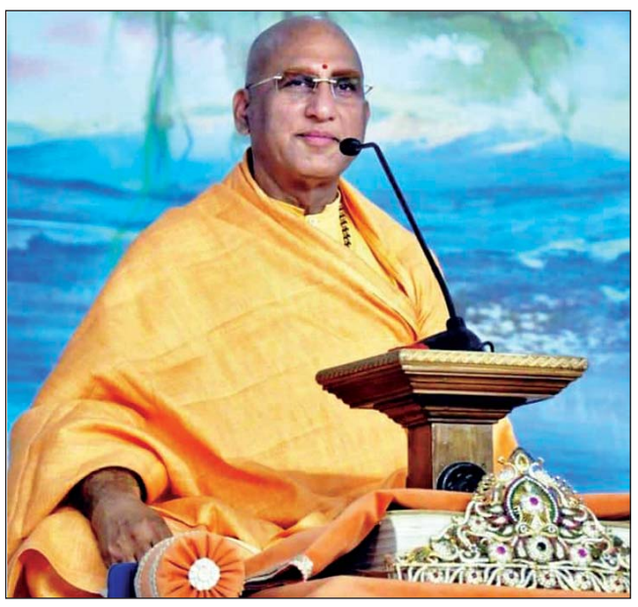

अतः स्वयं के अध्ययन करने से क्या लाभ होता है? जो व्यक्ति स्वयं का अध्ययन करते हैं, उन्हें स्वरूप की उपलब्धि होती है।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - मनुष्य का जन्म लाखों योनियों में पीड़ा भोगने के बाद हुए किसी पुण्य के प्रताप से होता है। स्वाध्याय अत्यन्त ही मूल्यवान है। सद्ग्रन्थ हमें सत्संग का लाभ प्रदान करते हैं। जहाँ लाभ है वहाँ ही लाभ का उल्टा 'भला' है। इसलिए स्वाध्याय का प्रारम्भ सद्ग्रन्थों के अध्ययन से ही करना चाहिए। ये सद्ग्रन्थ अपनी संगति से ही हमें निर्मल कर सोने से कुन्दन बना डालते हैं। हम सद्ग्रन्थों में यदि उच्च विचारों के महापुरुषों के जीवन चरित्र, उनके कार्य और व्यक्तित्व का अवलोकन करते हैं, उनके विचारों को जानते, समझते और अनुकरण में लाते हैं तो उनका प्रभाव धीरे-धीरे हमारे जीवन पर प्रकट होने लगता है। हममें आत्मावलोकन और अन्तरावलोकन का महान गुण विकसित होने लगता है। इसलिए तैतिरीय उपनिषद् के ऋषि ने कहा है - 'स्वाध्यायान्मा प्रमदरू ...' अर्थात् स्वाध्याय में आलस्य नहीं करना चाहिए। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति को ज्ञानवर्धक साहित्य अवश्य पढ़ना चाहिए। सद्ग्रन्थों से जीवन प्रकाशित होता है। स्वाध्याय से विचार शक्ति बढ़ती है। वैदिक साहित्य का पठन-पाठन मनुष्य के लिए नितान्त आवश्यक है। वेद सबसे प्राचीन है तथा इसकी शिक्षाएँ मानवमात्र के लिए हैं, न कि किसी व्यक्ति विशेष के लिए। मनुष्य के मस्तिष्क पर वातावरण, स्थान, परिस्थिति और व्यक्तियों का निश्चित रुप से भारी प्रभाव पड़ता है। जो लोग अच्छाई की दिशा में अपनी उन्नति करना चाहते हैं, उन्हें आवश्यक है कि वे अपने को अच्छे वातावरण में रखें, अच्छे लोगों को अपना मित्र बनायें, उन्हीं से अपना व्यापार, व्यवहार और सम्बन्ध रखें। जहाँ तक सम्भव हो परामर्श, उपदेश और मार्ग-प्रदर्शन भी उन्हीं से प्राप्त करें। एकान्त में स्वयं भी अच्छे विचारों का चिन्तन और मनन करके तथा अपने मस्तिष्क को उसी दिशा में लगाये रहने से भी आत्म-सत्संग होता है। अतः ये सभी प्रकार के सत्संग आत्मोन्नति के लिये परमावश्यक हैं।

पूर्व नपं अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे के नेतृत्व में हुआ केंद्रीय मंत्री सिंधिया का ऐतिहासिक स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

कोलारस। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना शिवपुरी अशोकनगर में दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने के बाद प्रथम बार शिवपुरी जाते समय भाजपा नेता, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे ने अपने सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता के साथ खालसा होटल फोरलेन पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का साफा पहनाकर, पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिखर धाकड़, नगर परिषद उपाध्यक्ष रोहित बंसल, पार्षद विक्की राजौरिया, पार्षद भानु जाट, सुरेश राठौर, पूर्व पार्षद मंगल कुशवाह, सुरेंद्र सोंटू शिवहरे, साहब सिंह धाकड़, वीरेंद्र सिंह यादव, रामेश्वर शिवहरे, अनिल कुमार जैन, दीपक भार्गव, पार्षद राजकुमार राजू भार्गव, लाला रघुवंशी, डॉ. सिमरन रंधावा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रियंका सैनी, महामंत्री राम सडैया, पार्षद राहुल जैन, पार्षद संदीप चंदेल, श्याम सिंह दांगी, संजय जैन, हरवीर धाकड़, दीपक लोधी, वीर सिंह जाटव, प्रमोद मिश्रा, अभिषेक जैन, नीरज खटीक, विजय कुशवाह, प्रमोद कुशवाह, शेरा शिवहरे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चंबल पुल पर बड़े वाहनों का आवागमन प्रारंभ होने से व्यापारियों को मिलेगी बड़ी राहत : संध्या राय

- सांसद श्रीमती राय ने भिण्ड-इटावा चम्बल पुल चालू कराने किया था अनुरोध

- भाजपा सांसद श्रीमती संध्या राय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा जिलों के विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान एनआईसी कक्ष भिण्ड से सांसद श्रीमती संध्या राय द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जिला भिण्ड-इटावा के मध्य बना चम्बल पुल पर लगभग एक वर्ष से भारी वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से बंद है। जिसकी वजह से भिण्ड-इटावा, कानपुर तक व्यापार पूर्ण रूप से बंद है। मेरे द्वारा इटावा के अधिकारियों एवं भिण्ड के एमपीआरडीसी अधिकारियों से की गई चर्चा के दौरान बताया गया कि चम्बल पुल पर चल रहा कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि बंद पुल को शीघ्र ही चालू कराया जाए ताकि आवागमन एवं व्यापार सुगमता से शुरू किया जा सके और भिण्ड जिले के नागरिकों को आवागमन में आ रही समस्या को दूर किया जा सके। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल सांसद श्रीमती राय की इस महत्वपूर्ण समस्या का समाधान करते हुए चंबल पुल पर शीघ्र भारी वाहनों का आवागमन प्रारंभ कर दिया गया है। सांसद श्रीमती राय ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के लिए यह प्रमुख समस्या बनी हुई थी ओवर वाहनों का आवागमन होने से व्यापारियों को भी एक राहत मिलेगी और समस्या का समाधान भी किया जा चुका है। अभी तक वहां चकरनगर होते हुए हनुमान चौराहा होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते थे, इससे काफी समय लगता था। चंबल पुल पर वाहनों की अनुमति मिलने से व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, इटावा

कृषि मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में इनोवेटिव ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग के माध्यम से ऐग्रीबिज़नेस पोटेंशियल को बढ़ाने के लिए विशेष राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली। कृषि वित्तीय श्रृंखला में कृषि वित्त के महत्व पर विचार करते हुए, कृषि और किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ मनोज आहूजा ने प्रोडक्शन-केंद्रित दृष्टिकोण से मांग-प्रेरित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। ÷कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को समग्र रूप से विकसित करने और उन्हें वैश्विक बाजारों से एकीकृत करने के लिए, हमें अब उपलब्धि की कमी को सिर्फ पूरा करने के बजाय बाज़ार की मांगों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।÷ उन्होंने कहा। आहूजा ने विकास के लिए सहयोगी डिजिटल प्रणालियों को प्रभावी बनाने पर महत्व दिया और सभी हितधारकों के लिए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र नीति कार्यक्रम की आवश्यकता को उजागर किया।

इसके अलावा आहूजा ने तरलता और आर्थिक स्थिरता में सुधार के लिए बिल डिस्काउंटिंग, ब्रिज फाइनेंसिंग, और जोखिम संरक्षण जैसे वित्तीय उपकरणों, को प्रयोग में लाने की मांग की। ÷इन उपकरणों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, सरल आवेदन प्रक्रियाओं और प्रशासनिक विघटनाओं को कम करना महत्वपूर्ण है,÷ उन्होंने जोड़ा।

वित्त सचिव डॉ. विवेक जोशी, ने डिजिटल वित्तीय सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग में समय पर क्रेडिट प्रदान करते हैं, और कृषि क्रेडिट की उपलब्धता में वृद्धि लाते हैं। ÷हमारा ध्यान इस पर है कि वैल्यू चेन के माध्यम से किसानों को समर्थन प्रदान करने के लिए समय पर क्रेडिट की सस्ती व सुलभ पहुंच सुनिश्चित करें,÷ उन्होंने कहा। उन्होंने एनबीएफसी, फिंटेक और स्टार्टअप्स के महत्व को भी दर्शाया, जो उच्च मूल्यवान कृषि बाजारों में विशेष वित्तीय उत्पादों और आखिरी मील तक क्रेडिट की पहुंच प्रदान करते हैं।

उपयुक्त है कि कृषि और किसान कल्याण विभाग ने नई दिल्ली में 27 जून 2024 को %इनोवेटिव ऐग्री वैल्यू चेन फाइनेंसिंग क्रेडिट के माध्यम से भारतीय कृषि व्यापार के पोटेंशियल को बढ़ाने के लिए% एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में भारत सरकार और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों और हितधारकों ने कृषि वित्तीय क्रेडिट के डायनामिक्स पर चर्चा की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था जागरूकता बढ़ाना, सहयोग सुविधा प्रदान करना, समाधानों की खोज करना, और उद्यमियों को नवाचारी कृषि वित्त समाधानों से सशक्त बनाना। इस कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने अनुभव और दृष्टिकोण को साझा किया, जिससे चर्चा में गहराई और विचार का विस्तार हुआ। कार्यशाला ने समूचे क्लस्टर-आधारित कृषि मूल्य श्रृंखला वित्तीय प्रणालियों के संभावनाओं को पहचाना, जिससे सहयोग और पर्यावरण में सुधार की ताकत मिली। इस आयोजन ने कृषि मूल्य श्रृंखला के अंतर्गत सभी वित्तीय उपकरणों तक का तर्कसंगत पहुंच बढ़ाने का मकसद रखा। वित्तीय मॉडल के प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए वर्तमान निधि प्रवाह और स्त्रोतों के महत्व को समझना, और खुद को संचालनीय कृषि वित्त मॉडलों के विकास में योगदान देना जरूरी माना गया।

इसमें उच्च स्तरीय स्ट्रैटेजिक चर्चाएं भी शामिल थी जिसमें प्रोफ़ेसर अशोक गुलाटी, जो के विशिष्ट प्रोफ़ेसर हैं, मुख्य वक्ता थे। उन्होंने कृषि में मांग-प्रेरित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने के महत्व को बताया व किसानों की आयों में सुधार के लिए, खाद्य श्रृंखला में पोषण के पहलू पर ध्यान देने की जरूरत और कृषि में जलवायु संवर्धन के विकास की आवश्यकता को भी दर्शाया।

प्रारम्भिक रूप से सम्मेलन का स्वागत करते हुए, कृषि और किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव (क्रेडिट), अजीत कुमार साहू ने कृषि मूल्य श्रृंखला वित्तीय क्रेडिट के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता को हाइलाइट किया। उन्होंने यह भी बताया कि अनुमानित अनुपात के अनुसार कृषि मूल्य योग 2030 तक 105 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचेगा, जिससे मूल्य श्रृंखला में वित्तीय प्रणाली की अहमियत बढ़ेगी।

नाबार्ड के चेयरमैन, के.वी. शाजी, ने किसानों के वित्त पहुंच में सुधार की अत्यावश्यकता पर जोर दिया और एसएचजी और एफपीओ के लिए विश्वसनीय डेटा उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता को उठाया, क्योंकि बैंकों के लिए यह डेटा अवगत निर्णय लेने और प्रभावी मूल्य श्रृंखला वित्त प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की प्रोत्साहना की, जिसमें कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, और मार्केटिंग को भी शामिल किया गया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता की शासन संरचना को मजबूत करने की भी जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि ये एकीकृत मूल्य श्रृंखला वित्त प्रणालियों की ओर ले जाएंगे। प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के बीमा और सीईओ, रितेश चौहान, ने कृषि में वित्तीय संयंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रदर्शन प्रस्तुत किया। चौहान ने सरकार के समग्र दृष्टिकोण को बताया, जिसमें कृषि मूल्य श्रृंखला वित्त में सम्पूर्ण जोखिम संरक्षण और वित्तीय समर्थन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। उन्होंने सारथी, एड, किसान ऋण पोर्टल, और एग्रिस्टैक जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की महत्वपूर्णता को भी बताया, जिससे क्रेडिट की उपलब्धता को सुगम बनाया जा सके और कृषि में संवर्धन को मजबूती दी जा सके।

पैनल चर्चाओं में विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई, जैसे कि क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण, नवाचारी वित्तीय योजनाओं, और किसान उत्पादक संगठनों को मूल्य श्रृंखला में शामिल करना। विभिन्न पृष्ठभूमियों से विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा किए, जिससे चर्चा को समृद्ध किया गया।

इस कार्यशाला ने क्लस्टर-आधारित कृषि मूल्य श्रृंखला के विभिन्न वित्तीय पहलुओं को समझकर, व उनके प्रभाव को बढ़ाने की क्षमता को हाइलाइट किया। इसने कृषि मूल्य श्रृंखला में अभिनवता और सहयोग के अवसरों की पहचान की जा सकती है। उन्होंने यह लक्ष्य भी रखा कि कृषि मूल्य श्रृंखला के वित्तीय साधनों की सुगम पहुंच के लिए रणनीति में सुधार किया जाए। वर्तमान निधि प्रवाह और स्त्रोतों सहित महत्वपूर्ण वित्त बिंदुओं को समझना, मॉडल की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए आवश्यक समझा गया, जो आत्मनिर्भर कृषि वित्त मॉडल के विकास में मदद करेगा, एक ऐसा मॉडल जो स्केल किए जाने और दोहराए जाने में सक्षम है।

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में, क्या पुष्पा अपने परिवार को सारंग की बुरी चालों से बचा पाएगी?

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में, एक दृढ़ संकल्पित महिला पुष्पा (करुणा पांडे) की दिल छूने वाली कहानी बताई गई है, जो जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना करती है और कभी उम्मीद नहीं खोती। हाल के एपिसोड्स में, दर्शकों ने देखा कि कैसे स्वरा (वृही कोडवारा) ने अपने स्कूल पिकनिक के दौरान एक हत्या होते हुए देखी। हत्यारा, सारंग (रानेंद्रे जैन) स्वरा को डरा देता है ताकि वह किसी के सामने उसकी पहचान उजागर न करे।

आगामी एपिसोड्स में, सारंग खुद को पुलिस द्वारा पकड़े जाने से बचाने के लिए उसी चॉल में पहुंचता है जहां स्वरा रहती है। चॉल के निवासियों को पता नहीं है कि स्वरा ने अपने स्कूल पिकनिक के दौरान क्या देखा था। स्वरा ने चॉल में सारंग को देखा और तुरंत डर गई। वह उससे छिपने और बचने की कोशिश करती है, लेकिन उसका डर उसके चेहरे पर साफ दिखता है। पुष्पा स्वरा के अजीब बर्ताव को देखती है और चिंतित हो जाती है। हालांकि, उसे एहसास होता है कि सारंग की मौजूदगी के कारण स्वरा के बर्ताव में बदलाव आ रहा है। सच का पता चलने पर, पुष्पा अपने परिवार को सारंग के खतरे से बचाने का फैसला करती है।

पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, 'नन्हीं स्वरा के लिए अपनी आंखों के सामने ऐसी भयावह घटना देखना बेहद मुश्किल था। मुझे वाकई उम्मीद है कि किसी भी बच्चे को कभी भी ऐसे दुखद अनुभवों से नहीं गुज़रना पड़े। स्वरा ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दिया है, जिसमें इस स्थिति की गंभीरता को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। डर और चिंता की भावनाओं को व्यक्त करने की उसकी क्षमता सराहनीय है। अब पुष्पा के लिए अगली चुनौती न केवल अपने परिवार को बल्कि पूरे चॉल को सुरक्षित रखना है।'

पुष्पा इम्पॉसिबल देखिए, हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ सोनी सब पर

सोनी बीबीसी अर्थ और सोनी पिक्स पर देखिये हंस ज़िमर स्पेशल

नई दिल्ली। सोनी बीबीसी अर्थ और सोनी पिक्स इस वर्ल्ड म्युजिक डे पर हंस ज़िमर के प्रशंसकों को संगीतमय सौगात देने के लिये तैयार हैं। इन चैनलों ने 21 जून, 2024 के लिये पूरे दिन भर का कार्यक्रम तैयार किया है, जिसमें हंस ज़िमर का संगीत होगा। इतना ही नहीं सोनी बीबीसी अर्थ और सोनी पिक्स पर एक साथ दोपहर 12:00 बजे और रात 9:00 बजे 'हंस ज़िमर- हॉलीवुड रेबेल' का प्रीमियर भी किया जायेगा, जो दर्शकों की खुशी को दोगुना कर देगा। यह शो दर्शकों को इस मशहूर कम्पोजर की जिन्दगी और कामों की गहन जानकारी देगा।

हंस ज़िमर, जोकि एक एकेडमी पुरस्कार विजेता कम्पोजर हैं और जिन्हें फिल्मों तथा डॉक्युमेंट्रीज में अपने दिलचस्प कम्पोजिशंस के लिये जाना जाता है, दोनों चैनलों के रोचक सेगमेंट्स की एक श्रृंखला में दिखेंगे। सोनी बीबीसी अर्थ हमारी पृथ्वी की भव्यता को दर्शाने वाले कार्यक्रमों की एक शानदार श्रृंखला पेश करेगा। साथ ही इस पर 'हंस ज़िमर- हॉलीवुड रेबेल' का प्रीमियर भी किया जायेगा। चैनल का लक्ष्य है दर्शकों को फ्रोज़न प्लानेट 2 की बर्फीली दुनिया से ब्लू प्लानेट 2 तक लेकर जाना और धरती के सबसे ठंडे हिस्सों की सैर कराना। इसमें समुद्र की लहरों के नीचे छुपे रहस्यों का खुलासा होगा। ये कार्यक्रम वन्यजीवन और पृथ्वी के विविध परिदृश्यों पर भी गहन जानकारी देते हैं। इसमें नैचर्स ग्रेटेस्ट डांसर्स, प्लानेट अर्थ 2, सेवन वर्ल्डस वन प्लानेट और फ्रोज़न प्लानेट 2 पीक्स एण्ड साउथ शामिल हैं। दूसरी ओर, सोनी पिक्स पर 'हंस जिम्मर- हॉलीवुड रेबेल' के प्रीमियर के अलावा ज़िमर के संगीत से सजी धमाकेदार फिल्मों को प्रस्तुत किया जायेगा। दर्शक सिनेमा जगत की बेमिसाल कृतियों के संदर्भ में उनके संगीत का अनुभव ले सकेंगे। इनमें बैटमैन बिगिन्स, द डार्क नाइट, द डार्क नाइट राइसेस और डंकिर्क जैसी जानी-मानी फिल्में शामिल हैं।

इस वर्ल्ड म्युजिक डे पर सोनी बीबीसी अर्थ और सोनी पिक्स के साथ प्रकृति की महानतम कहानियों और सिनेमाई शाहकारों का संगम देखिये, जो सचमुच एक यादगार अनुभव देगा।

मैट्रीमोनी सर्विस 'संगम' के साथ दुनिया भर में आपकी संस्कृति के अनुरूप जीवनसाथी की तलाश होगी पूरी

- वैरिफाइड फोटोग्राफ्स, हर सप्ताह नई प्रोफाइल्स और ह्यूमन असिस्टेंस का शानदार समागम

- भारत की पहली और एकमात्र 100 प्रतिशत गवर्नमेंट आईडी वैरिफाइड और प्रीमियम मैट्रीमोनी सर्विस

'संगम' एक विशिष्ट प्लेटफॉर्म है, जिसे वैवाहिक परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए बनाया गया है। विशिष्ट समुदायों को जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस नई सर्विस का लक्ष्य सदस्यों को उनके सच्चे जीवनसाथी से मिलाते हुए, उच्च गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और सफल वैवाहिक अनुभव प्रदान करना है, जिसे निश्चित रूप से माता-पिता और शादी के लिए इच्छुक युवा पसंद करेंगे और इस पर भरोसा करेंगे। इस सर्विस में 100 प्रतिशत वैरिफाइड प्रोफाइल्स, वैरिफाइड फोटोग्राफ्स वाली प्रोफाइल्स, हर सप्ताह जोड़ी जाने वाली नई प्रोफाइल्स और मेम्बरशिप पीरियड के दौरान ह्यूमन असिस्टेंस और सपोर्ट शामिल हैं। इस प्रकार, यह प्लेटफॉर्म दुनिया भर में रहने वाले भारत के विविध समुदायों की अनूठी प्राथमिकताओं को पूरा करेगा और साथ ही सांस्कृतिक संदर्भ में परिणय के उनके मधुर संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा।

ऑनलाइन मैचमेकिंग की लगातार बदलती दुनिया में, संगम भारत की पहली और एकमात्र 100 प्रतिशत वैरिफाइड प्रीमियम मैट्रिमोनी सर्विस प्रदान करने के लिए तत्पर है। यह यूज़र की पहचान को वैरिफाई करने के बाद ही अपलोड करने की अनुमति देता है, ताकि फेक प्रोफाइल्स से बचा जा सके और ऑनलाइन मैचमेकिंग को सुरक्षित बनाया जा सके। संगम 80 से अधिक कम्युनिटी साइट्स की पेशकश करता है। इसमें प्रत्येक मैच में परिवार की पृष्ठभूमि की विस्तृत जानकारी शामिल है। ऐसे में, यह प्लेटफॉर्म यूज़र्स को ऐसे पार्टनर्स ढूँढने में मदद करेगा, जो उनकी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं और पसंद से मेल खाते हों।

अनुपम मित्तल, फाउंडर और सीईओ, पीपल ग्रुप, ने कहा, 'संगम यूज़र्स को अपने समुदाय के अनुरूप जीवनसाथी ढूँढने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। इसके माध्यम से हमारा उद्देश्य उन्हें उच्च-गुणवत्ता, सुरक्षित और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करना है। यह सर्विस विभिन्न संस्कृति के लोगों को एक-दूसरे से जोड़ेगी, जिससे उन्हें जीवन भर के लिए सार्थक रिश्ते खोजने में मदद मिलेगी। संगम वास्तविक और समान विचारधारा वाले जीवनसाथियों के मिलन को संभव बनाएगा, जिससे उनकी जीवन भर के लिए सार्थक रिश्तों और सच्चे हमसफर की तलाश पूरी होगी।' संगम, शादी डॉट कॉम (Shaadi.com) की नई सर्विस है, जो प्राइवेसी और सिक्योरिटी उपायों की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एक सख्त वैरिफिकेशन प्रोसेस को नियोजित करता है, जिसमें मैन्युअल और ऑटोमेटेड बैकग्राउंड चेक्स शामिल है। यह यूज़र्स को एक सुरक्षित और विश्वसनीय ऑनलाइन मैचमेकिंग के अनुभव प्रदान करता है।

लौट आया है बालवीर का पुराना दुश्मन! देव जोशी अभिनीत इस सीरीज में विलेन शाशमाग का किरदार निभाने के बारे में आदित्य रणविजय ने कहा

नई दिल्ली। 'बालवीर' में अच्छाई और बुराई के बीच एक और देखने लायक युद्ध के लिये तैयार हो जाइए! बालवीर का सीजन 4 धोखेबाज विलेन शाशमाग का दोबारा स्वागत करने की तैयारी में है। यह भूमिका टैलेंटेड एक्टर आदित्य रणविजय निभा रहे हैं और वह बालवीर का सबसे खतरनाक दुश्मन है। वह बालवीर को हराने और दुनिया में तबाही मचाने की योजना के साथ एक बार फिर तैयार है। उसका काला जादू और तिरछी चालें लगातार खतरा पैदा करती हैं और दर्शक निश्चित रूप से कहानी से बंधे रहेंगे।

शाशमाग की भूमिका निभाने के बारे में एक्टर आदित्य रणविजय ने कहा, ''यह एक पेचीदा किरदार है, जो शो में बालवीर से बहुत नफरत करता है। बालवीर ने शाशमाग को कई बार हराया है, लेकिन किसी न किसी तरह वह बालवीर का दुश्मन बनकर लौट ही आता है। सीजन 4 में नए किरदारों के आने के बावजूद, शाशमाग ने उसके तथा बालवीर के बीच लगातार संघर्ष का रोमांच बरकरार रखा है। बीते वर्षों में बालवीर की दुनिया हिस्सा बनना मेरे लिये किसी एडवेंचर से कम नहीं रहा और मैं अपने प्रशंसकों से हमेशा कहता हूँ कि उन्हें बालवीर जैसा बनना चाहिये।''

मशहूर तकिया कलाम 'दिल से बुलाया, बालवीर आया' हर उम्र के दर्शकों को रोमांचित करता है कि वे बालवीर देखें और जाने कि वह कैसे शाशमाग की शातिर योजनाओं पर जीत हासिल करता है। दर्शक अपने पसंदीदा शो को देखने का आनंद उठा सकते हैं कि शाशमाग घात लगाकर बैठा है और हमला करने का अगला मौका तलाश रहा है। क्या बालवीर को खत्म करने की अपनी कोशिश में शाशमाग कामयाब होगा?

बालवीर सीजन 4 का रोमांच देखने से मत चूकिये, सोमवार से शुक्रवार रात 7:30 बजे सिर्फ सोनी लिव पर!

शेमारू उमंग के शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में स्वाति शर्मा दिखेंगी एक नए अवतार में

अभिनेत्री स्वाति शर्मा शेमारू उमंग के लोकप्रिय शो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' में आशी की भूमिका के साथ दर्शकों की पहली पसंद बनती जा रही हैं। वहीं, सिद्धार्थ की भूमिका निभाने वाले अभिनेता भरत अहलावत को आशी के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री के लिए खूब तारीफें मिल रही हैं, जिससे वे टीवी की दुनिया के नंबर वन जोड़े बनते नज़र आ रहे हैं। कई उतार-चढ़ाव के बाद, आशी और सिद्धार्थ ने आखिरकार शादी कर ली है और एक नए सफर की शुरुआत की है। ऐसे में, अब स्वाति शर्मा दर्शकों को बिल्कुल नए अवतार में नज़र आ रही हैं।

इस कहानी के नए अध्याय के साथ, आशी का लुक भी बदल गया है। सिद्धार्थ से शादी के बाद, आशी एक पारंपरिक और आधुनिक अवतार में नजर आएँगी। शो में वे हल्के रंगों वाली साड़ी में दिखेंगी, जिसके साथ उन्होंने रंग-बिरंगी चूड़ियाँ पहनी हैं। शो में आने वाला ट्रैक और आशी का नया लुक उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है।

स्वाति शर्मा अपने नए लुक को लेकर अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहती हैं, 'मुझे साड़ी पहनना बहुत पसंद है। मेरा नया लुक बहुत सरल, आकर्षक और सुंदर है। जैसे-जैसे मेरा किरदार विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे आशी की उपस्थिति भी बदल रही है, जो उसकी जीवन यात्रा को दर्शाती है। शो में आशी जल्द ही अपना कपड़ों का व्यवसाय शुरू करेंगी और मुझे लगता है कि उनका नया लुक इस नए चरण के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह उन्हें एक पारंपरिक पत्नी और एक आधुनिक व्यवसायी महिला के रूप में प्रदर्शित करता है। उनके लुक में यह मिश्रण बहुत अच्छी तरह से प्रदर्शित हो रहा है। मुझे यह परिवर्तन बहुत पसंद आ रहा है और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी यह पसंद आएगा।'

स्वाति शर्मा के किरदार में यह नया परिवर्तन न सिर्फ उनकी भूमिका की वृद्धि को दर्शाता है, बल्कि आशी की भूमिका को एक नया आयाम भी देता है। आशी की जिंदगी में यह नया बदलाव प्रशंसकों को पसंद आएगा, जो 'चाहेंगे तुम्हें इतना' शो की आकर्षक कहानी में और गहराई जोड़ेगा।

अधिक जानने के लिए जुड़े रहें और देखें 'चाहेंगे तुम्हें इतना' शो, हर सोमवार से शनिवार, रात 9:00 बजे, केवल शेमारू उमंग पर।

3 से 5 अंक गिरा तापमान, पर उमस बरकरार

- मानसून ग्वालियर चंबल संभाग को कवर कर आगे बढ़ा

ग्वालियर। भोपाल मौसम विभाग ने गुरूवार की सुबह ग्वालियर चंबल संभाग की बारिश रिपोर्ट लेने के बाद मानसून के आने की घोषणा कर दी है। शहर में बुधवार की शाम को हुई बारिश मानसूनी बताई गई है। गुरूवार की सुबह तक 14 घंटे में 51.1 मिमी बारिश हो गई है। जबकि शाम साढ़े 5 बजे तक 1.3 मिमी बारिश और हो गई। उसके साथ ही तापमान में 3 से 5 अंक की गिरावट दर्ज हुई हैं। दिन के तापमान में 5 अंक और रात के पारे में 3.2 अंक तापमान नीचे लुढ़क आया है। फिर भी उमस वाली गर्मी हावी बनी हुई है। लोगों को दिन के साथ साथ रात में भी राहत नहीं मिल रही है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अभी ग्वालियर अंचल में सिस्टम सक्रीय बना हुआ है। 30 जून व एक जुलाई को जोरदार बारिश का अनुमान है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बुधवार को दिन का तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि गुरूवार को 5.5 अंक घटकर अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज हुआ। इसी तरह बीते दिन बुधवार को न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि गुरूवार को 3.2 अंक घटकर 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम आंका गया। गुरूवार को सुबह की आर्दता 98 प्रतिशत व शाम की आर्दता 74 प्रतिशत दर्ज हुई। गुरूवार की शाम तक शहर में 111.3 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि बीते साल से 35 मिमी अधिक है। यहां बता दें कि बीते साल 2023 में 27 जून तक 75.1 मिमी सीजनल व मासिक बारिश हुई थी।

अतिक्रमण हटाने पहुंचे निगम अमले के साथ होटल संचालक ने की मारपीट

- हंगामा कर जेसीबी के सामने होटल संचालक बैठा

ग्वालियर। सिटी सेंटर इलाके में अतिक्रमण हटाने पहुंचे निगम के मदाखलत अमले से होटल संचालक विवाद पर उतर आया और अतिक्रमण हटा रहे निगम के अमले में शामिल एक कर्मचारी के साथ होटल संचालक ने गाली गलौज करते हुये उसमे चाटा जड़ दिया। हंगामा बढ़ा तो निगम के अधिकारियों ने मामला शांत कराया और निगम कर्मी को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने निगम कर्मी की शिकायत पर होटल संचालक के खिलाफ मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को निगम का मदाखलत अमला सिटी सेंटर स्थित महाराणा प्रताप नगर में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचा था।

निगम के अमले ने जैसे ही कार्रवाई शुरू की तो एक होटल संचालक रमेशा भदौरिया जेसीबी के सामने आकर बैठ गया और विरोध करने लगा। जब उसे निगम कर्मचारियों ने हटाया तो उसने एक निगम कर्मचारियों को थप्पड़ मार दिया। मामला बढ़ता देख मौके पर मौजूद डिप्टी कमिश्नर अमरसत्य गुप्ता और अतिबल यादव ने मामला शांत कराया और निगम कर्मी को लेकर थाने पहुंचे और होटल संचालक रमेश भदौरिया के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

इस मामले में उपायुक्त अमरसत्या गुप्ता का कहना है कि नगर निगम को शिकायत मिली थी कि एमपी नगर में अवैध होटल, लॉज, डांस बार और कैफे हाउस चल रहे हैं, जिन्होंने अतिक्रमण भी कर रखा है। शिकायत मिलने पर वह निगम अमले के साथ महाराणा प्रताप नगर में अवैध अतिक्रमण हटाने पहुंचे और जब वह एक होटल के सामने पहुंचे तो होटल संचालक द्वारा रास्ते में जनरेटर बोर्ड लगा दिए जिससे लोगों आने जाने में परेशानी हो रही थी और जब निगम अमले ने कार्रवाई शुरू की तो होटल संचालक ने हंगामा किया।

मनचले ने सेवानिवृत्त महिला दरोगा से की अश्लील हरकतें, मामला दर्ज

ग्वालियर। सत्तर वर्षीय सेवानिवृत्त महिला एएसआई के घर के सामने पहुंचे मनचले ने हंगामा कर दिया और जब वृद्ध महिला ने विरोध किया तो मनचला निंवस्त्र हो गया और अश्लील हरकतें करने लगा। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के लुढ़कन बाबा मंदिर के पास की है। हंगामा बढ़ा और आसपास के लोग एकत्रित हुए तो आरोपी वहां से भाग निकला। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी, लेकिन वह अपने घर से फरार मिला है। पुलिस अब उसके संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

ग्वालियर थाना क्षेत्र के लुढ़कन बाबा मंदिर के पास रहने वाली सत्तर वर्षीय बुजुर्ग महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि वह पुलिस में दारोगा के पद से सेवानिवृत्त है। यहां पर वह अकेली रहती है। बीते रोज वह अपने घर पर काम कर रही थी कि तभी चंद्र नगर निवासी अभिषेक नामक युवक उसके दरवाजे पर पहुंचा और हंगामा करने लगा। हंगामे का पता चलते ही वह बाहर आई तो आरोपी उनसे अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। उसे समझाने का पीडिता प्रयास कर रही थी कि तभी आरोपी निर्वस्त्र हो गया। युवक द्वारा हंगामा करने पर लोगों की भीड़ लग गई और आस-पास की महिलाएं व युवती भी बाहर आ गई थीं। अचानक युवक द्वारा हरकत करने पर महिला व युवतियां लज्जित हुईं और शर्म के कारण अपने घरों में चली गईं।

युवक की हरकतों का पता चलते ही आस-पास के लोग एकत्रित हुए और हंगामा कर रहे युवक का विरोध किया तो आरोपी पीडिता को धमकी देकर वहां से भाग निकला। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बरसात के पानी से वन मंडल की फाइलें खराब

- 9 माह पहले ही पांच लाख खर्च कर कराया था जीर्णोद्धार

ग्वालियर। ग्वालियर वन मंडल कार्यालय में संचालित उप वन मंडल कार्यालय की सैकडों फाइलें पानी से खराब हो गई। पूरा कार्यालय पानी से तबेला जैसा हो गई। जहां पर पदस्थ कर्मचारियों को बैठने के लिए जगह का चयन करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो गया। तो वहीं बस्तों में सुरक्षित बंधी फाइलें पानी से तर हो गई। कर्मचारियों ने गीली फाइलों को सुखाने के लिए कोई प्रयास करते उससे पहले ही फिर से गुरूवार से बारिश के पानी ने फिर से गीला कर दिया।

उल्लेखनीय है कि 9 माह पहले ही पांच लाख रूपये की लागत खर्च कर जीर्णोद्धार कार्य कराया गया था। ताज्जुब की बात यह है कि वन विभाग में पदस्थ उप वन क्षेत्रपाल स्तर के अधिकारी ने अपनी देखरेख में यह कार्य कराया गया था। फिर भी ग्वालियर शहर की पहली बारिश ने वन विभाग के जीर्णोद्धार कार्य की पोल खोल कर रख दी। इस भ्रष्टाचार की चर्चा गुरूवार को दिन भर होती रही। वन मंडल में यह चर्चा का विषय बना रहा कि पांच लाख रूपये खर्च होने के बाद भी वन विभाग की महत्वपूर्ण फाइलें बारिश के पानी से नहीं बचाई जा सकी। छत में मरम्मत कार्य कैसे और कहां कराया गया । इस विषय पर सभी वरिष्ठ अधिकारी चुप है।

गंगा स्नान करने गई महिला के घर से पांच लाख की चोरी

ग्वालियर। गंगा स्नान करने गई महिला के घर से चोरों ने नगदी-गहने सहित करीब पांच लाख रुपए का माल पार कर दिया। घटना बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मण तलैया स्थित फोर्ट व्यू कॉलोनी की है। घटना का पता उस समय चला जब पीडिता वापस आई तो घर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। मामला समझ में आते ही पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की।

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मण तलैया स्थित फोर्ट व्यू कॉलोनी निवासी नीरू जादौन पत्नी राम सिंह जादौन गृहिणी हैं और उनके पति गुजरात में प्राइवेट जॉब करते हैं, यहां पर वह बच्चों के साथ रहती हैं। बीस जून को उनका बेटा अल्पेश मौसी के घर चला गया था और वह गंगा स्नान के लिए एक ग्रुप के साथ गई थीं। दर्शन और स्नान के बाद जब वह वापस पहुंची तो घर का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। मामला समझ में आते ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीडिता ने पुलिस अफसरों को बताया कि चोर उनके घर से एक हार का सेट करीब ढाई तोला, एक सोने की चेन डेढ़ तोला वजनी, एक जोड़ी झुमकी सवा तोला, पांच अंगूठी डेढ़ तोला, कानों के टॉप्स तथा पांच हजार रुपए नगदी व चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। पुलिस ने चोरों का पता लगाने के लिए आस-पास के इलाके में सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लेकिन आस-पास कैमरे नहीं मिले हैं। अब पुलिस पुराने बदमाशों में चोरों की तलाश कर रही है। चोर काफी शातिर थे और पूरे घर की तलाशी के साथ ही किचन में रखे डिब्बे भी चेक किए थे। पीडिता का कहना है कि घर में नगदी भी थी, लेकिन चोरी के डर के चलते वह बैंक में जमा करा दी थी। जिससे वह रुपए चोरी होने से बच गए हैं।

गौवंश से भरा आयसर पकड़ा, दो आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। आयसर में गौवंश भरकर ले जा रहे दो आरोपियों को मोहना थाना पुलिस ने पकड़ा है। पकड़े गए आयसर में 22 गौवंश ठूस-ठूस कर भरे हुए थे। मामला मोहना थाना क्षेत्र के बायपास पर गुरुवार की सुबह की है। पुलिस ने पकड़े गए युवकों को हिरासत में लेकर गौवंश निगरानी में ले लिए है।

मोहना थाना प्रभारी राशिद खान ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक आयसर कंटेनर में करीब दो दर्जन के करीब गौवंश भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने बायपास पर घेराबंदी की और जैसे ही आयसर आया उसे रोकने का प्रयास किया तो आयसर में सवार दो युवक वाहन छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने आयसर को निगरानी में लेकर युवकों का पीछा कर पकड़ा और पूछताछ की तो पकड़े गए युवकों ने अपने नाम शफीक कुरैशी और सलमान अब्बासी निवासी कोसी कलां मथुरा बताया है। पूछताछ में पता चला है कि आरोपी युवक मेहगांव इलाके से गौवंश लेकर इंदौर की तरफजा रहे थे। अब पुलिस उनसे पूछताछ में जुट गई है।

ककेटो पेहसारी बांध से पानी लिफ्टिंग कर तिघरा लाने के लिये मिली मंजूरी

- महापौर की अध्यक्षता में आयोजित हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक में लिए गए अनेक निर्णय

ग्वालियर । शहर की पेयजल व्यवस्था हेतु ककेटो, पेहसारी बांध से पानी लिफ्टिंग कर तिघरा बांध तक लाने के लिये तैयार की गई कार्ययोजना को निगम की मेयर इन काउंसलिंग की बैठक ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही पेंशनरों को पेंशन पर महंगाई राहत स्वीकृति भी दी गई है। गुरूवार को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर स्वीकृति प्रदान की गई।

गुरूवार को निगम के मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रीष्म ऋतु में शहर की पेयजल व्यवस्था हेतु ककेटो, पेहसारी बांध से पानी लिफ्टिंग कर तिघरा बांध तक लाने हेतु तैयार की गई 1815.89 लाख की कार्ययोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही शासकीय सेवकों को 1 जुलाई 2023 से (सातवें, छटवें वेतनमान पर) महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही मध्य प्रदेश राज्य के पेंशनरों को पेंशन पर महंगाई राहत स्वीकृति भी प्रदान की गई। इसके साथ ही नगर

निगम नर्सरी, फूलबाग स्थित नवीन परिषद भवन के निर्माण का कार्य ठेकेदार मैसर्स भवानी प्रसाद शर्मा से कराये जाने का प्रस्ताव चर्चा उपरांत स्वीकृत कर परिषद की ओर भेजा गया। वहीं नगर निगम के वाहनों हेतु डीजल क्रय करने के सम्बन्ध में प्राप्त निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, विनोद माठू यादव, श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया, श्रीमती उपासना संजय यादव, श्रीमती संध्या सोनू कुशवाह, श्रीमती मोनिका मनीश शर्मा, शकील मंसूरी, निगम आयुक्त हर्ष सिंह, अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव, विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सामान लेने के लिए घर से निकली छात्रा लापता

ग्वालियर। सामान लेने के लिए निकली सोलह वर्षीय छात्रा लापता हो गई। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के रचना नगर की है। घटना का पता उस समय चला जब देर रात तक छात्रा वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला तो वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के रचना नगर निवासी सोलह वर्षीय छात्रा बीते रोज घर से सामान लाने की कहकर निकली थीं, इसके बाद देर रात तक वह वापस नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला तो वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। इससे पहले छात्रा के परिजनों ने छात्रा की तलाश के लिए उसकी सहेलियों और रिश्तेदारों के घरों पर जानकारी की, लेकिन उसका पता नहीं चला है। अब पुलिस छात्रा का पता लगाने के लिए सीसीटीवी खंगाल रही है, जिससे उसका पता लगाया जा सके। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

दोस्ती कर रखा लिव इन में, गर्भवती हुई तो घर से निकाला, मामला दर्ज

ग्वालियर। पड़ोसी युवक से दोस्ती प्यार में बदल गई और दोस्त ने शादी का वादा कर युवती को बहलाकर ले आया और दो साल लिव इन में रखा। अब जब युवती गर्भवती हो गई और युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी वादे से मुकर गया और लिव इन पार्टनर को धक्के देकर घर से निकाल दिया। शोषण और धोखे की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की।

पनिहार निवासी 25 वर्षीय युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि दो साल पहले उसकी दोस्ती पास ही रहने वाले हासिम खान से हुई थी। दोस्ती होने के बाद वह एक-दूसरे से प्यार करने लगे। इसी बीच हासिम ने उससे शादी का प्रस्ताव रखा और उसे बहलाकर अमरा पहाड़ी लेकर आ गया और यहां पर वह लिव इन में रहने लगे। इस बीच युवती ने उससे शादी को कहा तो वह जल्द ही शादी करने का आश्वासन देता रहा। आरोपी पिछले दो साल से शादी करने का आश्वासन देकर शोषण कर रहा था, अब पीडिता गर्भवती हो गई और शादी का दबाव बनाया तो वह अपने वादे से मुकर गया और उसे घर से निकाल दिया और धमकी दी कि अगर घर में पैर रखा तो वह उसे जान से खत्म कर देगा। परेशान पीडिता थाने पहुंची और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश में उसके घर पर दबिश दी, लेकिन आरोपी अपने घर से फरार मिला है। अब पुलिस उसकी तलाश में उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

बदमाशों का निकाला जुलूस

ग्वालियर। यातायात पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट करने वाले पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश रौनक बाथम का आज कंपू थाना पुलिस ने जुलूस निकाला और उस स्थान पर लेकर पहुंची, जहां पर बदमाश ने बदमाशी की थी। बीते रोज पकड़े गए आरोपी को जब पुलिस पकडने पहुंची थी तो आरोपी ने पुलिस टीम पर कुत्ते छोड़ दिए थे।

रेत व पत्थर के अवैध कारोबार के खिलाफ जिला प्रशासन का चला चाबुक

- छापामार कार्रवाई कर 8 ट्रक एवं तीन स्थानों पर भण्डारित 420 घन मीटर रेत की जब्त

ग्वालियर। अवैध रेत, पत्थर का उत्खनन एवं उसका परिवहन और भण्डारण करने वाले माफियाओं के खिलाफ जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर कार्रवाई की है। गुरुवार को प्रशासन और पुलिस के अमले ने छापामार कार्रवाई कर रेत के अवैध उत्खनन में लिप्त 7 ट्रक जब्त किए हैं। साथ ही गिट्टी से भरा हुआ एक ट्रक भी जब्त किया है। इसके अलावा प्रशासन और पुलिस के अमले ने तीन स्थानों पर औचक निरीक्षण कर अवैध रूप से भण्डारित लगभग 420 घन मीटर रेत जब्त किया है। रेत के इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफप्रशासन ने खनिज अधिनियम सहित अन्य प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर पुलिस और जिला प्रशासन ने अभियान चलाकर अवैध उत्खनन करने वाले, भण्डारण करने

वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। गुरूवार को पुलिस और प्रशासन के अमले ने दीनदयाल नगर व बड़ागाँव क्षेत्र में तीन स्थानों पर अवैध रूप से भण्डारित रेत जब्त करने की कार्रवाई की। इसी दौरान विभिन्न स्थानों से रेत के अवैध परिवहन में संलग्न मिले 7 ट्रक व एक ट्रक गिट्टी का जब्त किया। जब्त किए गए ट्रक संबंधित थानों में पुलिस अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। कार्रवाई करने वालों में एसडीएम ग्वालियर सिटी अतुल सिंह, एसडीएम मुरार अशोक चौहान, एसडीएम लश्कर नरेन्द्र बाबू यादव व एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी तथा जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया व पुलिस अधिकारी शामिल थे।

दबंगों ने वृद्ध को पीटा, किया पथराव

ग्वालियर। एक हफ्ते पूर्व बाइक में टक्कर मारने पर देखकर बाइक चलाने की नशीहत देना एक सत्तर वर्षीय वृद्ध को भारी पड़ गया और दबंगों ने उसके घर आकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी और पथराव कर दिया। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के गल्ला कोठार की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही आरोपी वहां से भाग निकले।

थाटीपुर थाना क्षेत्र के गल्ला कोठार निवासी सत्तर वर्षीय रमेश चंद्र पुत्र गोपी राम जाटव बीते रोज अपने दरवाजे पर बैठा था कि तभी सियाराम गुर्जर निवासी दुल्लपुर अपने दो साथियों के साथ आया और रमेश चंद्र से गाली गलौज करने लगा। जब उन्होंने समझाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनकी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। विवाद बढ़ता देखकर आस-पास के लोग बीच-बचाव करने के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर पथराव कर दिया। अचानक हुई पथराव से बचने के लिये लोग अपने-अपने घरों में जा छिपे। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस को आया देखकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने घायल वृद्ध को उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ट्रक की टक्कर से युवक घायल

ग्वालियर। दोस्त से मिलकर वापस घर आ रहे युवक को तेज रफ्तार ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसा बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के नाग देवता मंदिर के पास ट्रांसपोर्ट नगर की है। बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरा निवासी विनय कुमार बीते रोज अपने दोस्त से मिलने गया था और दोस्त से मिलने के बाद वह वापस आ रहा था, अभी वह नागदेवता मंदिर के सामने पहुंचा ही था कि तभी सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक नंबर एनएल01क्यू 9908 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी।

दहेज नहीं लाई तो विवाहिता को घर से निकाला

ग्वालियर। मायके से दहेज नहीं लाने पर नवविवाहिता को ससुरालवालों ने घर से निकाल दिया। हजीरा थाना क्षेत्र के यादव धर्मकांटा लोधी चौक निवासी नेहा नरवरिया का विवाह 16 दिसम्बर 2023 को सूरज नरवरिय से हुआ था। शादी होकर नेहा जब ससुराल पहुंची तो कुछ दिन तक तो सब ठीक रहा और उसके बाद सूरज और उसके परिजन संतोष नरवरिया तथा रामवीर नरवरिया उसे कम दहेज के लिए ताना देने लगे। पहले उसने सोचा कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा, लेकिन आरोपी उसे प्रताडित करने लगे। जब उसने दहेज लाने से मना किया तो ससुरालवालों ने उसे धक्के देकर घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद नेहा ने महिला थाने में शिकायत की। विवाहिता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने उनकी काउसलिंग कराने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी तो पुलिस ने ससुराल वालों के खिलाफदहेज एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है।

आसमानी बिजली से महिला झुलसी, पांच बकरियों की मौत

ग्वालियर। बुधवार शाम को हुई झमाझम बारिश के बीच आसमान से बरसी आफत से बकरियों को बचाने के लिए आई महिला और बकरियों पर आसमानी बिजली गिर गई। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के महलगांव स्थित सिंधिया नगर की है। गंभीर झुलसी महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बकरियां भी आसमानी बिजली की चपेट में आइं, जिससे पांच बकरियों की मौके पर मौत हो गई। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के महलगांव स्थित सिंधिया नगर निवासी पचास वर्षीय फूलवती पत्नी रामकिशन रजक ने घर में बकरियां पाली हुई हैं। बुधवार की शाम आई बारिश से बचाने बकरियों को अंदर बांधने के लिए फूलवती लेकर जा रही थी कि अचानक बारिश तेज हो गई और वह बकरियों को लेकर एक पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। तभी आसमान से तेज गडगड़ाहट के बीच आसमानी बिजली गिरी और बिजली ने फूलवती के साथ ही बकरियों को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे पांच बकरियों की मौके पर मौत हो गई और फूलवती गंभीर रूप से झुलस गईं। बाद में स्थानीय लोगों ने आसमानी बिजली का शिकार हुई फूलवती को निजी वाहन से आरोग्यधाम में भर्ती कराया। वहीं बकरियां भी आसमानी बिजली की चपेट में आइं, जिससे पांच बकरियों की मौके पर मौत हो गई।

//कार्यालय जेल अधीक्षक सर्किल जेल शिवपुरी (मध्यप्रदेश)//
Email ID - jailshivpuri@gmail.com दूरभाष(गेट–07492,234102)(कार्यालय–07492,234153)
क्रमांक/ 02 /निर्वाह/2024 शिवपुरी, दिनांक 18/06/2024

–वार्षिक ई–निविदा द्वितीय आमंत्रण सूचना–
वार्षिक ठेका वर्ष 2024–25

मध्यप्रदेश जेल पूर्ति नियम 1968 एवं मध्यप्रदेश भण्डार क्रय एवं सेवा उपार्जन नियम–2015 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु सर्किल जेल शिवपुरी में परिरूद्ध बंदियों के लिए खाद्यान्न सामग्रियों के क्रय हेतु वार्षिक निविदाएं ई–टेण्डरिंग पद्धति (Online System) के माध्यम से खण्डानुसार सामग्रियों की पूर्ति हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा की जानकारी बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदा कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:–

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
01	निविदा फार्म क्रय करने की प्रारंभिक तिथि (निविदा फार्म का मूल्य 05 लाख रू. तक रूपये 500/– एवं 05 लाख से अधिक रू. 1000/– प्रति निविदा फार्म ऑनलाईन लेखा शीर्ष 0056 जेलें–800 अन्य प्राप्तियों में जमा कराना होगा)	दिनांक 24.06.2024 समय दोपहर 12 बजे	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त किये जा सकेगें।
02	प्री–बिड मीटिंग की तिथि–	दिनांक 30.06.2024 समय दोपहर 01:00 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
03	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि–	दिनांक 22.07.2024 समय सायंकाल 05:30 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन स्वीकार की जावेगी।
04	नमूना जमा करने की अंतिम तिथि–	दिनांक 22.07.2024 समय सायंकाल 05:30 बजे तक	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
05	नमूना गुणवत्ता परीक्षण एवं तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज) खोलने की तिथि–	दिनांक 24.07.2024 दोपहर 01:00 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।
06	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि–	दिनांक 25.07.2024 बजे	संबंधित जेल अधीक्षक कार्यालय में जिस जेल हेतु निविदा प्रस्तुत की गई है।

सर्किल जेल शिवपुरी हेतु क्रय करने वाली सामग्री का खण्डवार विवरण

क्रं.	क्रय करने वाली सामग्री का विवरण	खण्ड क्रमांक	अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा हेतु समयावधि
01	खाद्य सामग्री	01	882000	26460	1000	दिनांक 30.06.2025 अथवा अगले वर्ष का ठेका स्वीकृत होने तक जो भी प्रथम हो वैद्य रहेगा।

नोटः– ई–निविदा फार्म बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन सिस्टम पर क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकेगें। ई–निविदा या उससे समस्त जानकारी ऊपर दर्शित बेवसाईट पर देखें। सर्किल जेल शिवपुरी की ई–निविदा संबंधी समस्त कार्यवाही जेल अधीक्षक, सर्किल जेल शिवपुरी द्वारा की जावेगी। निविदा में किया गया कोई भी संशोधन www.mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से कोई भी संशोधन समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जावेगा।

G12476/24

जेल अधीक्षक
सर्किल जेल शिवपुरी

संपादकीय

मोबाइल की लत बच्चों के लिए जी का जंजाल

भारत में तो चुनाव हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, इंडोनेशिया और अन्य प्रमुख लोकतंत्रों में इस साल महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। हालांकि डीपफेक जेनरेटिव एआई से पहले से ही अस्तित्व में है, लेकिन सोरा और स्टेबल डिफ्यूजन जैसे उत्पादों ने उसके उत्पादन को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे अब बड़े पैमाने पर इसे बनाना आसान, तेज और सस्ता हो गया है। सोशल मीडिया पर भी हम सब शीर्ष पर हैं, जहां व्हाट्सएप, टिकटॉक और इसी तरह के अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वैश्विक स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश और स्लोवाकिया में चुनाव हुए, जिसमें डीपफेक भी एक पक्ष बन गया। बांग्लादेश के एक विपक्षी नेता को फलस्तीन के समर्थन के मुद्दे पर दुविधा की स्थिति में दिखाया गया, इस तरह का रुख अपनाना उस देश में विनाशकारी है।

अरुणाचल प्रदेश के एक स्कूल में जब एक पंद्रह वर्षीय किशोर को मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की वजह से स्कूल छोड़ने को कहा गया, तो उसके बाद किशोर के आत्महत्या कर लेने की खबर आई। आज के दौर में आधुनिकता का एक पैमाना यह भी प्रचारित किया गया है कि कोई व्यक्ति नई तकनीकी का कितना इस्तेमाल करता है। इस धारणा की जद में वे तमाम लोग हैं, जो जरूरत होने पर या फिर गैरजरूरी तरीके से तकनीक पर निर्भर हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इस धारणा का आकर्षण बच्चों को भी अपने दायरे में ले चुका है और उनके कोमल मन-मस्तिष्क को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। अरुणाचल प्रदेश के एक स्कूल में जब एक पंद्रह वर्षीय किशोर को मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने की वजह से स्कूल छोड़ने को कहा गया, तो उसके बाद किशोर के आत्महत्या कर लेने की खबर आई। सवाल उठता है कि आए दिन स्मार्टफोन की लत की वजह से बच्चों के भीतर अप्रत्याशित प्रतिक्रिया होने की खबरें आने के बावजूद स्कूल प्रबंधन ने संवेदनशील तरीके से इस मसले का हल निकालना जरूरी क्यों नहीं समझा? स्कूल में मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित होने के बाद भी अगर वह किशोर ऐसा कर रहा था तो यह उसकी मानसिक परिस्थितियों या लत का नतीजा हो सकता है। इस स्थिति में उसे हिदायत देने के क्रम में मनोवैज्ञानिक पहलुओं का ध्यान रखा जाना चाहिए था।

सच यह है कि आज बच्चों और किशोरों के भीतर अगर स्मार्टफोन देखने को लेकर अतिरेक की हद तक व्यस्तता देखी जा रही है तो इसका कारण मनोविज्ञान ही है। सिमटे परिवार और कामकाजी व्यस्तता के दौर में बच्चों के साथ घुलने-मिलने और खेलने के लिए अभिभावकों के पास समय नहीं है और बच्चों के हाथ में स्मार्टफोन देकर अभिभावक सोचते हैं कि उनका बच्चा आधुनिक और अद्यतन हो रहा है। मगर उसे जरूरत या फिर गैरजरूरी होने पर भी लगातार देखते रहने पर बच्चे का कोमल मन-मस्तिष्क एक तरह के सम्मोहन का शिकार हो जाता है और उसी से उसकी मानसिक परिस्थितियां संचालित होने लगती हैं। वह मोबाइल के स्क्रीन के प्रभाव में इस हद तक आ जाता है कि उसे छोड़ने पर उसका विवेक काम करना बंद कर सकता है और ऐसी स्थिति में कई बार वह खुद को नुकसान पहुंचा लेता है। इसलिए अगर कोई बच्चा इस परेशानी का शिकार हो तो उसके प्रति सख्ती के बजाय संवेदनशील और मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों का सहारा लेना चाहिए।

सिर्फ समस्या नहीं, समाधान भीः एआई कमजोर लोकतंत्रों को बेहतर बना सकता है, उन्नत क्षमताओं से निगरानी में भी मदद

डीपफेक कितना ही विनाशकारी क्यों न हो, एआई कमजोर लोकतंत्रों को मजबूत बना सकता है। चुनावों में पारदर्शिता, समावेशिता और दक्षता बढ़ाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी उन्नत डाटा विश्लेषण क्षमताएं रियल टाइम में चुनाव संबंधी डाटा की निगरानी कर सकती हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी की कहानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इससे उत्पन्न उत्साह एवं व्यवधान का बोलबाला रहा है। हालांकि वर्ष 2023 के उत्तरार्ध में कॉपीराइट, पूर्वाग्रह, निजता और डीपफेक जैसे नैतिक मुद्दों के सामने आने से इस कहानी में थोड़ी कड़वाहट घुलने लगी। दुनिया के अधिकांश लोकतंत्रों में या तो चुनाव हो चुके हैं या होने वाले हैं, इसलिए 2024 में एआई की पहली प्रमुख नैतिक परीक्षा होगी कि वह लोकतंत्र की मदद करेगा या उसे नष्ट कर देगा। भारत में तो चुनाव हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, इंडोनेशिया और अन्य प्रमुख लोकतंत्रों में इस साल महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। हालांकि डीपफेक जेनरेटिव एआई से पहले से ही अस्तित्व में है, लेकिन सोरा और स्टेबल डिफ्यूजन जैसे उत्पादों ने उसके उत्पादन को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे अब बड़े पैमाने पर इसे बनाना आसान, तेज और सस्ता हो गया है। सोशल मीडिया पर भी हम सब शीर्ष पर हैं, जहां व्हाट्सएप, टिकटॉक और इसी तरह के अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वैश्विक स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश और स्लोवाकिया में चुनाव हुए, जिसमें डीपफेक भी एक पक्ष बन गया। बांग्लादेश के एक विपक्षी नेता को फलस्तीन के समर्थन के मुद्दे पर दुविधा की स्थिति में दिखाया गया, इस तरह का रुख अपनाना उस देश में विनाशकारी है। स्लोवाकिया के चुनाव में भी एक प्रमुख दावेदार ने कथित तौर पर चुनावों में धांधली की बात कही थी और इससे?भी चिंताजनक बात थी कि उन्होंने बीयर की कीमत बढ़ाने की बात की, जो कथित तौर पर उनकी हार का कारण बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की नकली आवाज में लोगों से यह अपील की गई कि वे अमेरिकी प्राइमरी में मतदान नहीं करें। वर्ष 2016 के कैंब्रिज एनालिटिका विवाद की यादें अब भी ताजा हैं। बड़े चुनावों के नजदीक आते ही खतरे की घंटी बज गई है। यहीं पर मैं इसके एक दूसरे पहलू का उल्लेख करना चाहूंगा। जरा पाकिस्तान को देखिए, वहां भी इसी वर्ष की शुरुआत में चुनाव हुए। वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में थे। उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छीन लिया गया और उनके कुछ उम्मीदवारों को धमकाया गया और कुछ को जेल में भी डाल दिया गया। हालांकि अंततः दूसरी पार्टियों की जीत की घोषणा की गई, लेकिन ज्यादातर खबरें दावा करती हैं कि भारी धांधली और हेराफेरी के बावजूद इमरान खान की पार्टी ने अच्छी सफलता पाई। खान ने जेल में रहते हुए पूरे देश में चुनाव प्रचार करने के लिए जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया और इस कहानी को पलट दिया कि एआई लोकतंत्रों को नष्ट करती है। जेनरेटिव?एआई का इस्तेमाल करके उन्होंने मतदाताओं से अपनी पार्टी के लिए मतदान करने का आग्रह करते हुए फुटेज तैयार किया और इसे यूट्यूब और अन्य ऑनलाइन चैनलों पर खूब शेयर किया गया। लोगों ने उनके आह्वान पर ध्यान दिया और रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया, जिससे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में सफलता मिली। पाकिस्तान ने दिखा दिया कि कैसे एआई का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को नष्ट करने के बजाय उसे मजबूती दी जा सकती है। यहां मैं डीपफेक की विनाशकारी शक्ति से इन्कार नहीं कर रहा हूं, और मुझे डर है कि भारत के किसी भी चुनाव और अन्य चुनावों में इसका इस्तेमाल विमर्श को भड़काने और मनगढ़ंत कथानक को आकार देने के लिए किया जा सकता है। हालांकि चुनावों, जो लोकतंत्र का एक मुख्य स्तंभ है, को बेहतर बनाने के लिए एआई बहुत कुछ कर सकता है। पाकिस्तान का उदाहरण इसका रचनात्मक तरीका है। चुनावों में पारदर्शिता, समावेशिता और दक्षता बढ़ाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी उन्नत डाटा विश्लेषण क्षमताएं वास्तविक समय में चुनाव से संबंधित डाटा की निगरानी कर सकती हैं, जिससे धोखाधड़ी का संकेत देने वाली किसी भी अनियमितता की पहचान की जा सकती है। एआई एल्गोरिदम मतदाता पंजीकरण या मतदान में अनियमितताओं के पैटर्न का पता लगा सकते हैं।

एआई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम की सुरक्षा में भी सुधार कर सकता है। इसके अतिरिक्त, खतरे का पता लगाने वाले एल्गोरिदम संभावित साइबर खतरों की पहचान करने में मदद कर सकते हैं। जेनरेटिव एआई स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके स्थानीय बोली में उम्मीदवारों और उनके घोषणापत्रों पर बेहद व्यक्तिगत सामग्री तैयार करते हुए मतदाताओं की शिक्षा और जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। यह व्यक्तिगत दृष्टिकोण राजनीतिक जागरूकता बढ़ा सकता है और विशेष रूप से हाशिये पर पड़े समूहों के लोगों को सोच-समझकर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। जेनरेटिव एआई इस काम को बड़े पैमाने पर, बहुत कम लागत में, उच्च दक्षता के साथ करने में मदद कर सकता है, जिससे कम पैसे वाले उम्मीदवार भी सशक्त बन सकेंगे। एआई द्वारा संचालित प्रणालियां दिव्यांग मतदाताओं की पहुंच को भी बढ़ा सकती हैं। उदाहरण के लिए, एआई द्वारा संचालित ध्वनि पहचान प्रणालियां दृष्टि बाधित मतदाताओं को मतदान करने में सहायता कर सकती हैं। एआई जनसांख्यिकीय समूहों में जनता की राय जानने के लिए सोशल मीडिया पर मौजूद सूचनाओं का विश्लेषण कर सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि राजनीतिक विमर्श में समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व हो। यहां तक कि इसकी मदद से चुनाव की लॉजिस्टिक प्रक्रिया में भी सुधार करके लागत बचाई जा सकती है, जो कि भारत जैसे विशाल देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एआई मतदाता पंजीकरण और सत्यापन को बेहद कुशल बनाने में मदद कर सकता है, समय पर पात्रता सत्यापित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक डाटा हासिल कर लंबी कतारों को समाप्त कर सकता है। एआई दोधारी प्रौद्योगिकी है, जिसके बहुत सारे लाभ हैं, तो इसमें विनाशकारी शक्ति भी है। जब हम डीपफेक के जरिये चुनावों पर पड़ने वाले इसके प्रतिकूल प्रभाव को रोकने की कोशिश करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि यह हमारे कमजोर लोकतंत्रों को कैसे बेहतर बना सकता है। भले कमजोर ढंग से ही सही, इमरान खान की पार्टी दुनिया को इसकी इस क्षमता को दिखाने में सफल रही।

बढ़ती सुविधाएं सिकुड़ता बचपन नए दौर ने बदला बच्चों का जीवन

स्नेह और, वात्सल्य और समुचित देखभाल की प्राकृतिक जिम्मेवारी से मुक्त होने के कारण बहुत सारे बच्चे वर्तमान समय में मोबाइल में अपना भविष्य तलाशने लगते हैं। उनकी नींद के साथ-साथ पढ़ाई और भूख भी किसी न किसी रूप में प्रभावित होती है। सामाजिक परिवेश के अनेक आयामों में पारिवारिक परिधि सबसे लघु इकाई मानी जाती है, जिसके ताने-बाने की डोर परिवार के समस्त सदस्यों को किसी न किसी रूप में बांधे रखती है। कभी घर-आंगन के सभी सदस्यगण अपनी अपनी जिम्मेवारी के बंधन को बखूबी निभाते थे और वे एक स्वतःस्फूर्त अनुशासन के आभामंडल से जुड़े रहते थे। संयुक्त परिवार के सभी सदस्य एक दूसरे से हिल-मिल कर सामंजस्य बिठाते हुए आत्मीय तरंग बिखेरते थे, जिसके कारण परिवार में अमन-चैन कायम रहता था। दादा-दादी, मां-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहन, पति-पत्नी आदि संबंधों में परस्पर सद्भाव और समझदारी की गंगा बहती थी। बचपन में सुबह-सुबह पाठशाला न जाने के बहाने बनाने पर मां-चाची बहला-फुसला कर स्कूल जाने को विवश कर देते थे। बदलते समय ने आज बहुत कुछ हालात को भाग-दौड़ की गति से आबद्ध कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भले औसत रूप में मानवीय दिनचर्या सामान्य है, लेकिन नगरीय रहन-सहन में विशेषकर एकल परिवार को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार में सीमित संसाधनों की उपलब्धता और भौतिक आवश्यकताओं की ओर मन की व्यग्र इच्छा ने पारिवारिक आंगन में वैचारिक कोलाहल मचा रखा है। सहनशीलता की घोर कमी ने भी परिवार में छोटी-मोटी बातों पर तनाव और मनमुटाव की झड़ी लगा रखी है। ऐसी स्थिति आमतौर पर अब लगभग हर घर में देखी जा रही है, जहां विशेषकर किशोर अपने माता-पिता के बीच गुस्से में हुई बहस या लड़ाई झगड़े के समय सन्नाटे में जाकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उस समय उनके मानसिक आवेग बड़े ही संवेदनशील होकर उनके चिंतन तंत्र को कुप्रभावित करते हैं। इस हालात में उन्हें भावनात्मक और संज्ञानात्मक रूप से कमजोरी के दौर से गुजरने की बाध्यता होती है और यह स्थिति उनके मस्तिष्क पर दीर्घकालिक असर छोड़ती है। उनके अंदर बाल मन की गतिशीलता की नैसर्गिक प्रतिभा विचलन की ओर जाती दिखती है। टकराव या गुस्से में माता-पिता की चिल्लाहट की गूंज बच्चों के कान में कम, बल्कि उनके दिमाग पर अधिक असर डालती है। उनके मन में एक भय की रेखा खींच जाती है और वे कल्पना करने लगते हैं कि कहीं मां-पिता उन्हें छोड़कर अन्यत्र न चले जाएं। ऐसी कुछ घटनाएं होती भी हैं। बाल मन का अध्ययन करने वाले मनोवैज्ञानिकों का कथन है कि इस स्थिति में बच्चे नकारात्मकता के शिकार हो जाते हैं और उनकी पढ़ाई-लिखाई प्रभावित होती है। बच्चों के सामने मां-पिता की अस्वस्थ बहस उनकी सुरक्षा की भावना को खतरे में डालती है, जिसके कारण व्यवहार-कौशल को प्राकृतिक आचरण नहीं मिलने से बच्चे का विकास भी अवरुद्ध हो जाता है। आपस में लड़ाई में व्यस्त माता-पिता को यह ज्ञात नहीं हो पाता कि उनके इस आचरण से बच्चों में अपराध बोध में वृद्धि और आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। उक्त हालात में बच्चे मां-पिता की उग्रता को भी सीखते हैं जो धीरे-धीरे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसे तुनकमिजाज बना देता है। इस हालत से अक्सर गुजरने के कारण जब बच्चे अपनी वर्तमान वास्तविकता से असहज और असामान्य होते हैं तो वे दयनीय अवस्था धारण कर आत्महीनता और अंतर्मुखी बन जाने के शिकार होते हैं। सबसे खराब प्रभाव यह पड़ता है कि बच्चे भय के कारण अपने मां-पिता से खुलकर बात करने की मनोदशा से मुक्त होकर झूठ बोलने के सहारे से बंध जाते हैं और उनका कोमल बचपन कहीं खो जाता है।

बड़े होकर यही बच्चे घर के प्रतिकूल माहौल के चलते अपने साथियों की शरण में जाकर विभिन्न किस्म की कुप्रवृत्तियों के संवाहक बनते हैं। घर में परिवार के बीच या माता-पिता के विवाद से उत्पन्न स्थिति में बच्चों की चंचलता, उल्लास, बाल सुलभ गतिविधियां नेपथ्य नभ में विचरण करने लगते हैं। चूंकि घर-आंगन बच्चों की प्राथमिक पाठशाला है, जहां वे अच्छी-बुरी आदतों को ग्रहण करते हैं, इसलिए ज्यादातर बच्चे अपने अभिभावक की गलत हरकतों से समाज के अन्य अपनाने योग्य अच्छी आदतों से वंचित भी हो जाते हैं।

स्नेह, वात्सल्य और समुचित देखभाल की प्राकृतिक जिम्मेवारी से मुक्त होने के कारण बहुत सारे बच्चे वर्तमान समय में मोबाइल में अपना भविष्य तलाशने लगते हैं। उनकी नींद के साथ-साथ पढ़ाई और भूख भी किसी न किसी रूप में प्रभावित होती है। सवाल है कि इस प्रतिकूल दिशा और दशा की ओर प्रस्थान करते किशोर के भविष्य को कैसे संभाला जाए। इसके लिए मुख्य उत्तरदायित्व बच्चों के मां-पिता का ही है। दुर्गति की ओर जाती नव-संतति को अगर उनके माता-पिता अपने अहम और क्रोध को नियंत्रित कर सामान्य दांपत्य जीवन नहीं जिएंगे, तब तक दुनिया की कोई ताकत इस पीढ़ी को बचाने में असमर्थ होगी। परिवार की बिखरती पाठशाला के दुष्परिणाम जीवन के हर क्षेत्र में देखा जा रहा है, जिसकी रक्षा में मुख्य रूप से माता-पिता को सामने आकर आपसी मतभेद और कटुता का विसर्जन करने की जरूरत है। उन्हें यह खयाल रखना चाहिए कि उनके आचरण उनके घर-आंगन की वाटिका के बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल रहे हैं।

प्रतिबद्धताः खाद्य महंगाई कम करना चुनौती

वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 8.2 फीसदी रही, वहीं कृषि विकास दर महज 1.4 फीसदी ही रही है। वर्ष 2023-24 में 3,280 लाख टन उत्पादित खाद्यान्न इसके पूर्ववर्ती वर्ष के रिकॉर्ड 3,290 लाख टन से कम है। एक साल में गेहूं की कीमतें 8-10 फीसदी बढ़ी हैं। अप्रैल 2024 में देश के गोदामों में गेहूं का भंडार घटकर 75 लाख टन रह गया है, जो पिछले 16 साल में भंडारण का सबसे निचला स्तर है। सरकार 1 जून, 2024 तक करीब 266 लाख टन गेहूं खरीद चुकी है, लेकिन लक्ष्य 372 लाख टन है।

मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में कृषि परिदृश्य को संवारने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। 18 जून को किसानों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त भेजी, तो 19 जून को खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाया है। हालांकि नई सरकार के सामने कृषि, ग्रामीण विकास, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, घटी हुई कृषि विकास दर, गेहूं भंडारण में कमी, खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने और खाद्य उत्पादों की बर्बादी रोकने और किसानों के असंतोष की चुनौतियां दिखाई दे रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर 8.2 फीसदी रही, वहीं कृषि विकास दर महज 1.4 फीसदी ही रही है। वर्ष 2023-24 में 3,280 लाख टन उत्पादित खाद्यान्न इसके पूर्ववर्ती वर्ष के रिकॉर्ड 3,290 लाख टन से कम है। एक साल में गेहूं की कीमतें 8-10 फीसदी बढ़ी हैं। अप्रैल 2024 में देश के गोदामों में गेहूं का भंडार घटकर 75 लाख टन रह गया है, जो पिछले 16 साल में भंडारण का सबसे निचला स्तर है। सरकार 1 जून, 2024 तक करीब 266 लाख टन गेहूं खरीद चुकी है, लेकिन लक्ष्य 372 लाख टन है।

ऐसे में गेहूं आयात की स्थिति निर्मित हो रही है। खाद्य वस्तुओं की ऊंची दर आम आदमी की बड़ी चिंता बन गई है। यद्यपि मई 2024 में खुदरा महंगाई दर 4.75 प्रतिशत के साथ पिछले 12 माह के निचले स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 8.69 प्रतिशत की ऊंचाई पर स्थित है। निस्संदेह कृषि एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न चिंताओं के मद्देनजर ही प्रधानमंत्री मोदी ने पदभार संभालने के बाद अपना सबसे पहला कदम किसान कल्याण और कृषि क्षेत्र की प्रतिबद्धता की डगर पर आगे बढ़ाया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि इस वर्ष मानसून अच्छा रहेगा। यह नई सरकार के लिए अच्छा संकेत है। प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा कहा गया है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के अच्छे रहने से कृषि गतिविधियों में तेजी आएगी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अनुसंधान विभाग के मुताबिक,?अच्छे मानसून से दाल, तिलहन, अनाज का उत्पादन बढ़ेगा और?इनकी कीमतें कम होंगी। महंगाई के प्रबंधन के लिहाज से खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य उपजों की बर्बादी रोकने से महंगाई पर अंकुश लगेगा। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के खाद्य फसलों की बर्बादी संबंधी आंकड़ों के अनुसार,?भारत में हर साल करीब 15 फीसदी खाद्य उत्पादन नष्ट हो जाता है। इतनी ही बर्बादी?फल और सब्जियों की होती है।?कृषि भंडारण के बुनियादी ढांचे में सुधार से कृषि उपज बर्बादी को कम करने में मदद मिल सकती है। देश की अधिक शीत भंडार गृह और प्रशीतन सुविधाओं की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

भारत में करीब 30 फीसदी सड़कें कच्ची हैं, जिससे कृषि पैदावार को मंडियों तक ले जाने में काफी समय लगता है। इससे कुछ पैदावार खराब हो जाती है, जिसका असर कीमतों पर पड़ता है। इसलिए फसल बर्बादी रोकने पर जोर देना चाहिए। देश में खाद्यान्न भंडारण की क्षमता फिलहाल 1,450 लाख टन की है, उसे अगले पांच वर्षों में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2,150 लाख टन किए जाने के लक्ष्य को प्राप्त करके ग्रामीण भारत में अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि क्षेत्र का अनुभव रखने वाले शिवराज सिंह चौहान को कृषि एवं किसान कल्याण के साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय का जिम्मा सौंपा है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि देश में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर खाद्य पदार्थों की बर्बादी को कम करने, कृषि में मशीनीकरण को बढ़ाए जाने, जलवायु अनुकूल कृषि-खाद्य प्रणाली अपनाने, अधिक ग्रामीण कच्ची सड़कों को मंडियों से जोड़ने, कृषि भंडारण के बुनियादी ढांचे में क्षमता सुधार जैसी नीतिगत प्राथमिकताओं के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला में सुधार से खाद्य फसलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को रोकने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ा जाएगा। किसानों के असंतोष का निराकरण करने और उनकी आमदनी बढ़ाने की रणनीति पर भी नई सरकार से काम करने की उम्मीद है।

कनाडा में आतंक का महिमामंडन, कनिष्क बम विस्फोट की मनाई गई बरसी, भारत ने जताई कई आपत्ति

हालांकि कनाडा के इस चेहरे को समझना अब मुश्किल नहीं रह गया है और एक तरह से यह भारत के लिए सजग रहने का वक्त है। यही वजह है कि आतंकवादियों के प्रश्रय देने के कनाडा के रुख के मद्देनजर अब भारत ने भी स्पष्ट प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। वर्ष 1985 के कनिष्क बम विस्फोट की उनतालीसवीं बरसी पर कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाली गतिविधियों को निंदनीय करार देते हुए भारत ने साफ शब्दों में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी कार्रवाइयों को वहां इजाजत दी जाती है, जबकि शांतिप्रिय देशों और लोगों की ओर से आतंकवादी गतिविधियों की निंदा की जानी चाहिए।

कनाडा के इस चेहरे को समझना अब मुश्किल नहीं रह गया है और एक तरह से यह भारत के लिए सजग रहने का वक्त है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र की बात और अपने देश में प्रकारांतर से आतंकवाद का समर्थन और महिमामंडन मानो कनाडा की फितरत होती जा रही है। पिछले कुछ समय से यह लगातार देखा जा रहा है कि एक ओर कनाडा भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग का संबंध मजबूत करने की दुहाई देता है और दूसरी ओर वह भारत के खिलाफ आतंकी तत्त्वों को संरक्षण देता है, उनके लिए सहानुभूति का सार्वजनिक प्रदर्शन करता है। हालांकि कनाडा के इस चेहरे को समझना अब मुश्किल नहीं रह गया है और एक तरह से यह भारत के लिए सजग रहने का वक्त है। यही वजह है कि आतंकवादियों के प्रश्रय देने के कनाडा के रुख के मद्देनजर अब भारत ने भी स्पष्ट प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। वर्ष 1985 के कनिष्क बम विस्फोट की उनतालीसवीं बरसी पर कनाडा में आतंकवाद का महिमामंडन करने वाली गतिविधियों को निंदनीय करार देते हुए भारत ने साफ शब्दों में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी कार्रवाइयों को वहां इजाजत दी जाती है, जबकि शांतिप्रिय देशों और लोगों की ओर से आतंकवादी गतिविधियों की निंदा की जानी चाहिए। गौरतलब है कि कनिष्क बम विस्फोट की घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार तीन सौ उनतीस लोगों की जान चली गई थी। मरने वालों में ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे। माना जाता है कि उस समय के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी तत्त्व कनिष्क बम विस्फोट की घटना के लिए जिम्मेदार थे। इसके बावजूद कनाडा पर खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं। आमतौर पर कनाडा इन आरोपों से इनकार करता रहा है, मगर वह इस सवाल का जवाब नहीं दे पाता कि अगर वह आतंकवाद में विश्वास रखने वालों को प्रश्रय नहीं देता है तो वहां की संसद तक में किसी खालिस्तानी तत्त्व की याद में गतिविधियां क्यों आयोजित होती हैं। हाल ही में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की याद में कनाडा की संसद में 'एक मिनट का मौन' रखा गया था, जिसकी भारत ने तीखी आलोचना की थी। विचित्र यह है कि कनाडा की ओर से भारत के साथ कई मुद्दों पर साथ होने और आर्थिक-राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा करने की दुहाई दी जाती है और साथ ही वहां की संसद में खालिस्तान समर्थकों की हिमायत में 'एक मिनट का मौन' रखा जाता है। सवाल है कि दूसरे देशों में लोकतंत्र की लड़ाई का पक्ष लेने के दावे के समांतर कनाडा किस तर्क पर अपने देश में अलगाववादी तत्त्वों को संरक्षण देता है, उनके प्रति सहानुभूति का रुख रखता है।

क्या वह इस तथ्य से अनजान है कि इस मसले पर भारत के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी हैं? क्या यह परोक्ष रूप से भारत जैसे देश की संप्रभुता में दखल नहीं है? यह रवैया रखते हुए कनाडा भारत के साथ किस तरह के सहयोग की अपेक्षा करता है? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि आतंकवाद किसी तरह की सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल का खयाल नहीं करता और यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिल कर निपटने की जरूरत है। विश्व में ऐसे भी उदाहरण रहे हैं कि अगर किसी देश ने अपने सीमा-क्षेत्र में आतंकवाद को पलने-बढ़ने का मौका दिया, उसे प्रश्रय दिया, तो बाद में खुद उसे ही आतंकवाद का पीड़ित और भुक्तभोगी होना पड़ा। कनाडा आतंक का महिमामंडन करके न केवल भारत के सामने जटिल हालात पैदा करने की कोशिश करता है, बल्कि वह अपने भविष्य के लिए भी मुश्किलों की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है।

7 बार सेमीफाइनल से बाहर हो चुकी साउथ अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल में

साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। अफ्रीका पहली बार ही किसी वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। टीम पर लगा चोकर्स का दाग भी मिट गया है। साउथ अफ्रीका 5 बार वनडे और 2 बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल से बाहर हो चुकी है

» अफगानिस्तान 56 पर ऑलआउट, अफ्रीका ने 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली। पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीता। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम की पिच पर पहले बैटिंग की। अफगानिस्तान 56 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका ने 1 विकेट खोकर ये टारगेट हासिल कर लिया। रीजा हेंड्रिक्स ने 29 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच बने 3 ओवर में 3 विकेट लेने वाले मार्को यानसन। अफगानिस्तान 3 ओवर में 2 विकेट खो गए थे। क्रीज पर इब्राहिम जादरान और रहमतुल्लाह ओमरजई थे। उन्हें फाइटिंग टोटल हासिल करना था। रबाडा ने चौथे ओवर में ओपनर जादरान को बोल्ड किया। इसके बाद सबसे एक्सपीरियंस बल्लेबाज मो. नबी को भी पवेलियन भेज दिया। इस झटके से अफगानिस्तान की टीम उबर नहीं पाई।

मैच जीतने के बाद एडेन मार्करम

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान मार्करम ने कहा, अब हमें ट्रॉफी उठानी है। टॉस हारने हमारे लिए फायदेमंद रहा। हम भी पहले बल्लेबाजी करते। हम पहले कभी फाइनल नहीं पहुंचे थे, लेकिन भरोसा था। ये पूरी टीम की कोशिशों का नतीजा है।

मैच हारने के बाद राशिद खान

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद बोले, हम बेहतर कर सकते थे, लेकिन कंडीशंस की वजह से ऐसा नहीं हो सका। हम किसी भी टीम को हराने में सक्षम हैं। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ प्रेशर से उबरना होगा। काफी मेहनत करनी है, खासतौर से मिडिल ऑर्डर पर। हमें कुछ अच्छे नतीजे मिले, लेकिन बल्लेबाजी में अच्छा करने की जरूरत थी।

श्रीलंका के हेड कोच सिल्वरवुड ने इस्तीफा दिया, सलाहकार कोच जयवर्धने ने भी पद छोड़ा

नई दिल्ली। श्रीलंका के हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड ने हेड कोच के पद से इस्तीफा दिया है। सिल्वरवुड अप्रैल 2022 से इस पद पर थे। स्क्ष्ट ने अप्रैल में उनका कार्यकाल मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया था।

वहीं पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी बुधवार को सलाहकार कोच का पद छोड़ दिया है। वानिंदु हसरंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले ही राउंड से बाहर हो गई थी। उसे बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका से हार मिली।

मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं- सिल्वरवुड

इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, इंटरनेशनल कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिए गर्व की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।

सिल्वरवुड कोचिंग में श्रीलंका ने 2022 में टी-20 एशिया कप जीता था

सिल्वरवुड के कोच रहते श्रीलंका ने 2022 में टी-20 एशिया कप जीता था और उनके कार्यकाल में 2023 वनडे एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, इस दौरान श्रीलंका ने दो बार वर्ल्ड कप में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया है। वे पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप में नौवें स्थान पर रहे और इस वजह से2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहे। वहीं टीम मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ही राउंड से बाहर हो गई।

जसप्रीत बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर हैं - कपिल देव

नई दिल्ली। टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उम्दा फॉर्म में हैं। इस बीच दिग्गज भारतीय क्रिकेटर कपिल देव ने बुमराह की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज को अपने से 1000 गुना बेहतर बताया है।

कपिल देव ने की तारीफ

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बुमराह ने अब तक 6 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 8.54 की औसत और 4.08 की इकॉनमी से 11 विकेट चटकाए हैं। टूर्नामेंट में बुमराह काफी कंजूसी से रन खर्च कर रहे हैं। पीटीआई से बातचीत में कपिल देव ने कहा, बुमराह मुझसे 1000 गुना बेहतर हैं। ये युवा लड़के हमसे कहीं बेहतर हैं। हमारे पास अधिक अनुभव था, लेकिन वे बेहतर हैं। वे बहुत अच्छे हैं। वे अधिक फिट हैं। वे कहीं अधिक मेहनती और शानदार हैं। ता दें कि भारतीय टीम ने 1983 में पहली बार कपिल देव की कप्तानी में विश्व कप जीता था।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बुमराह के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ मैच में 6 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। पाकिस्तान से हुए मैच में भारतीय तेज गेंदबाज ने 14 रन देकर 3 शिकार किए थे। अमेरिका के विरुद्ध मैच में बुमराह को कोई सफलता नहीं मिली थी। सुपर-8 के पहले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ जसप्रीत बुमराह ने 7 रन देकर 3 विकेट झटके थे। इसके बाद बांग्लादेश के साथ खेले गए मैच में उन्होंने 2 और ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 1 सफलता अपने नाम की थी।

टेस्ट और वनडे में बुमराह का प्रदर्शन

बुमराह ने अपने करियर में अब तक 36 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 69 पारियों में उन्होंने 20.69 की औसत और 2.74 की इकॉनमी से 159 विकेट चटकाए हैं। 9/86 एक टेस्ट में उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इसके अलावा 89 वनडे की 88 पारियों में बुमराह ने 23.55 की औसत और 4.59 की इकॉनमी से 149 विकेट अपने नाम किए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 6 बार 4 विकेट हॉल और 2 बार 5 विकेट हॉल भी लिया है। 6/19 इस फॉर्मेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

रहाणे काउंटी के लिए वनडे कप में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली। एक समय टीम इंडिया की टेस्ट टीम का अहम हिस्सा रहे दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे लगातार वापसी की कोशिश में लगे हुए हैं। रहाणे ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी मैच पिछले साल वेस्टइंडीज में टेस्ट मैच के रूप में खेला था। लेकिन तब से वह टीम से बाहर हैं। रहाणे ने इस बीच एक बड़ा फैसला लिया है और नई टीम के साथ खेलने का तय किया है। विराट कोहली जब टीम इंडिया के कप्तान हुआ करते थे तब रहाणे भारत की टेस्ट टीम के उप-कप्तान थे। साल 2020-21 में विराट कोहली जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहला टेस्ट मैच खेलने के बाद लौट आए थे तब रहाणे ने टीम की कप्तानी की थी और टीम को टेस्ट सीरीज में जीत दिलाई थी। वह टीम की बल्लेबाजी की धुरी हुआ करते थे।

इस टीम का थामा दामन

रहाणे ने अब इंग्लैंड की काउंटी लिसेस्टशर का दामन थामा है। वह इस टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। रहाणे काउंटी के लिए वनडे कप में हिस्सा लेंगे। इस समय वनडे कप जारी है। रहाणे इस टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में खेलेंगे। रहाणे टीम के आखिरी के पांच मैचों में टीम के लिए खेलेंगे। वह वियान मुल्डर की जगह टीम में शामिल किए गए हैं। मुल्डर साउथ अफ्रीका टीम के साथ अगस्त में वेस्टइंडीज जाएंगे। लिसेस्टशर फोक्स इस टूर्नामेंट की मौजूदा विजेता है।

रहाणे ने अभी तक 188 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 45.76 की औसत से 13,225 रन बनाए हैं। रहाणे ने 57 अर्धशतक और 39 शथक जमाए हैं। लिस्ट-ए में रहाणे ने 182 मैच खेले हैं और 39.72 की औसत से 6475 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उन्होंने 10 शतक और 45 अर्धशतक जमाए। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले हैं और 38.46 की औसत से 5077 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 12 शतक और 26 अर्धशतक निकले हैं। रहाणे ने भारत के लिए 90 वनडे मैच खेले हैं और 2962 रन बनाए हैं। वहीं 20 टी20 मैचों में उन्होंने 375 रन बनाए हैं।

व्यापार

सेंसेक्स 79,243 और निफ्टी 24,044 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद, लगातार तीसरे दिन बनाया ऑल टाइम हाई

नई दिल्ली। शेयर बाजार ने 27 जून को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स 568 अंक की बढ़त के साथ 79,243 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 175 अंक की बढ़त रही। ये 24,044 के स्तर पर बंद हुआ।

इससे पहले कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 79,396 और निफ्टी ने 24,087 का ऑल टाइम हाई बनाया। शेयर बाजार ने 25 और 26 जून को भी ऑल टाइम हाई बनाया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली है।

मेटल, एनर्जी और आईटी शेयर्स में ज्यादा तेजी है। निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2.03 प्रतिशत की तेजी रही। अल्ट्राटेक सीमेंट 5.45 प्रतिशत की तेजी के साथ निफ्टी का टॉप गेनर रखा। L&T का शेयर 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ निफ्टी टॉप लूजर रहा।

अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23 प्रतिशत की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ स्टॉक्स को 267 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से अल्ट्राटेक खरीदेगी। इस हिसाब से इस डील की कुल कीमत करीब 1,885 करोड़ रुपए हो सकती है।

इस डील का असर अल्ट्राटेक सीमेंट और इंडिया सीमेंट के शेयर में तेजी देखने को मिली है। इंडिया सीमेंट के शेयर 29.13 रुपए चढ़कर 291.75 रुपए पर बंद हुआ। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट 606.75 रुपए चढ़कर 11,749.85 रुपए पर बंद हुआ।

इंडिया सीमेंट्स में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी अल्ट्राटेक, बोर्ड ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। अल्ट्राटेक सीमेंट के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंडिया सीमेंट्स में 23 प्रतिशत की इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इंडिया सीमेंट्स के 7.06 करोड़ स्टॉक्स को 267 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से अल्ट्राटेक खरीदेगी। इस हिसाब से इस डील की कुल कीमत करीब 1,885 करोड़ रुपए हो सकती है।

अल्ट्राटेक सीमेंट ने 27 जून को एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। इसी के साथ ही आज इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11.09 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली, ये 291.75 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले 5 दिन में इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 26.13 प्रतिशत और 1 महीने में 36.65 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में भी आज 5.45 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयर में 7.45 प्रतिशत और 1 महीने में 14.91 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। वहीं, पिछले 1 साल में अल्ट्राटेक सीमेंट ने 43.14 प्रतिशत की रिटर्न दिया है।

प्रमोटर ग्रुप के पास इंडिया सीमेंट्स में 28.42 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि जाने-माने निवेशक राधाकिशन दमानी और उनके सहयोगियों के पास सीमेंट कंपनी में 20.78 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। अल्ट्राटेक ने कहा कि अधिग्रहण पूरा होने की सांकेतिक समय अवधि एक महीने है। कंपनी ने कहा कि अधिग्रहण कैश में किया जा रहा है।

देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है अल्ट्राटेक

अल्ट्राटेक देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है, जिसकी कुल उत्पादन क्षमता 152.7 MPTA है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने 7,600 करोड़ की एंटरप्राइज वैल्यू पर केसोराम के सीमेंट बिजनेस का अधिग्रहण किया था।

अप्रैल-जून में टॉप सात शहरों में 5 फीसदी बढ़ी घरों की बिक्री, पिछली तिमाही की तुलना में आई गिरावट

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक की एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2024 तिमाही में भारत के आवास बाजार में मिले-जुले नतीजे देखने को मिले। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में बिक्री में 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई, जबकि पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) की तुलना में मांग में 8त्न की गिरावट आई।

साल-दर-साल आधार पर पांच प्रमुख शहरों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद में आवास बिक्री में वृद्धि देखी गई। यह महामारी के बाद घर के स्वामित्व की निरंतर मांग को दर्शाता है।

डीएलएफ होम्स के आकाश ओहरी जैसे उद्योग विशेषज्ञ इसका श्रेय लोगों की घर के स्वामित्व की धारणा में आए बदलाव को देते हैं, जिसमें इसका मूल्य अधिक प्रमुख होता जा रहा है। आवासीय संपत्तियों को न केवल एक सुरक्षित आश्रय के रूप में देखा जाता है, बल्कि एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में भी देखा जाता है, खासकर लक्जरी घरों को।

हालांकि, पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री की तुलना में, दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी शहरों में मांग में गिरावट देखी गई। इसके दो मुख्य कारण हो सकते हैं। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी बताते हैं कि पिछली तिमाही में असाधारण रूप से उच्च बिक्री देखी गई, जिससे इसे पार करना चुनौतीपूर्ण बेंचमार्क बन गया।

तिमाही गिरावट की प्रवृत्ति को रोकने वाला एकमात्र शहर, दिल्ली-एनसीआर में पिछली तिमाही की तुलना में बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस वृद्धि को गुड़गांव और नोएडा जैसे शहरों में मजबूत आर्थिक गतिविधि से जोड़ा जा सकता है। वहीं मुंबई में बिक्री में 9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि देखी गई, लेकिन पिछली तिमाही की तुलना में 3 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

इसके साथ ही बेगलुरू शहर में 8 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि देखी गई, लेकिन परियोजना लॉन्च में चुनाव संबंधी देरी के कारण जनवरी-मार्च की तुलना में बिक्री में 8त्न की गिरावट आई। हालांकि, व्हाइट लोटस ग्रुप के पवन कुमार जैसे विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत नौकरी वृद्धि और वाणिज्यिक विस्तार के कारण बाजार में उछाल आएगा।

इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख जुर्माना भरने को तैयार, सेबी ने लिया था एक्शन

नई दिल्ली। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख 25 लाख रुपये का जुर्माना सेबी को भरने के लिए राजी हो गए हैं। 26 जून को इस बात की जानकारी सेबी की तरफ से दी गई है। सलिल पारिख पर इंसाइडर ट्रेडिंग का आरोप लगा था। बता दें, इस जुर्माना राशि का भुगतान करने के बाद सलिल पारिख पर लगे सभी चार्ज समाप्त कर दिए जाएंगे।

सेबी की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया था कि जांच के दौरान पाया गया था कि कुछ सूचनाएं अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना जिन्हें तब इंफोसिस ने मानने से इनकार कर दिया था। सेबी ने 29 जून 2020 से 27 सितंबर 2021 के दौरान जांच किया था। जिसके बाद पाया गया कि सेबी एक्ट और पीआईटी रेगुलेशन 2015 के नियमों के विरुद्ध है।

सेबी ने बताया कि 14 जुलाई 2020 को इंफोसिस ने वैनगार्ड के साथ साझेदारी की जानकारी सबको दी थी। सेबी ने अपनी जांच में पाया था कि इससे इंफोसिस के रेवन्यू पर भी असर पड़ेगा।

इसके अनुसार कोई ऐसी जानकारी जो कंपनी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर जुड़ी हो। यह सामान्य तौर पर उपलब्ध नहीं होती है। जिसके सामान्य रूप से उपलब्ध होने जाने पर कंपनी के शेयरों की कीमतों पर असर पड़ता है। सेबी ने दी जानकारी में कहा कि ऐसे मामलों में कंपनी के एमडी या सीईओ की जिम्मेदारी होती है।

इंफोसिस के शेयर आज बढ़त के साथ ट्रेड कर रहे थे। दोपहर 2.50 मिनट पर कंपनी के शेयर 1.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 1567.90 रुपये पर थे। बीएसई में कंपनी के शेयर 1540 रुपये के स्तर पर ओपन हुए थे। पिछले एक साल में इंफोसिस के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

जनहित के निर्माण कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नही होगी: कलेक्टर

- निर्धारित अवधि में कार्यो की पूर्णता सुनिश्चित करने अधिकारी बरतें तत्परता

- विकास विभागों के निर्माण कार्यो की कलेक्टर ने की कार्यवार समीक्षा

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड, लोक निर्माण विभाग (भवन), सर्व शिक्षा अभियान, सेतु निगम तथा जनजातीय कार्य विभाग व जल संसाधन विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए प्रगतिरत कार्यो को शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जनहित में कार्यो की पूर्णता के लिए अधिकारी मैदानी भ्रमण कर कार्यो की मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। जिससे जिले के विकास कार्यो का लाभ आमजन को समय पर प्राप्त हो सके। जनहित के कार्यो में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विकास कार्यो की समीक्षा करते हुए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने निर्माण विभागों के विकास कार्यो की कार्यवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कार्यो की अद्यतन स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उक्ताशय के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान कार्यो की पूर्णता अपेक्षाकृत नही होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री के 15 दिवस के वेतन कटौती के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के कार्यो की कार्यवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि लगभग पूर्णता की स्थिति में आ चुके कार्यो को एक सप्ताह के अन्दर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कार्यपालन यंत्री को जनजातीय कार्य विभाग के वर्ष 2018 के निर्माण कार्यो की पूर्णता के लिए आवश्यक आवंटन प्राप्त करने वरिष्ठ कार्यालय को पूर्व में प्रेषित पत्रों का हवाला देते हुए पत्राचार करने के निर्देश दिए। जिससे लंबित कार्य की पूर्णता हो सके।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क

योजना के प्रगतिरत कार्यो की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अनुबंधित सड़कों को संविदाकार के माध्यम से मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 जून तक प्रगतिरत कार्यो को पूर्ण कराया जाए। कलेक्टर ने पीएमजीएसवाई के महाप्रबंधक को बिना अनुमति के अवकाश पर रहने पर नाराजगी जताते हुए कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएमजीएसवाई के अधिकारियों ने अवगत कराया कि जिले में 47 सड़कों में रिन्यूअल का कार्य तथा 15 सड़कों में लघु मरम्मत का कार्य लिए गए हैं। जिस पर कलेक्टर ने जिले की अन्य पीएमजीएसवाई सड़कों का सर्वे कर जिले की सभी मरम्मतयोग्य सड़कों को अनुबंध अनुसार दुरूस्त कराए जाने के निर्देश दिए। बैठक में एमपीआरडीसी के लांघाटोला से सरई सड़क निर्माण के प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 19 अप्रैल 2024 की समय-सीमा निर्धारित होने के बावजूद भी निर्माण कार्य 25 प्रतिशत होने पर संबंधित संविदाकार के विरूद्ध अनुबंध समाप्ति की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में उन्होंने संबंधित निविदाकार के विरूद्ध वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराए जाने के संबंध में अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में एमपीआरडीसी के किरर घाट मरम्मत निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यो में अपेक्षाकृत प्रगति परिलक्षित नही होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कार्यो की प्रगति समयबद्धता के अनुरूप सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने सुरक्षा के पैरामीटर का ध्यान रखने तथा निर्माण के दौरान मार्ग में चलने वाले वाहनों को कार्य स्थल से दूर रोका जाना सुनिश्चित किया जाए। जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत सीएम राईज एवं अन्य स्कूल भवनों के निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यो में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी कार्य को समय-सीमा में निराकृत करने विभागीय अधिकारी तत्परता दिखाएं। उन्होंने कार्यवार समीक्षा करते हुए जनजातीय कार्य विभाग व लोक निर्माण विभाग (भवन) के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कार्यो की समय-सीमा सुनिश्चित करते हुए अधिकारियों को कार्यपूर्णता समय पर सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सेतु निगम के लंबित 4 कार्यो की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने रेलवे फ्लाई ओवर ब्रिज के अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक सुनिश्चित करने तथा शेष कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए।* बैठक में जल संसाधन विभाग के पिपरिया, दमेहड़ी, झिलमिल, समरार, सिंहपुर, छुलकारी आदि प्रोजेक्ट कार्यो के अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए कार्यो की प्रगति के संबंध में दिशानिर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के सिंचाई रकबे की वृद्धि के लिए बैराज निर्माण के प्रोजेक्ट हेतु स्थल का चयन कर प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले की सिंचाई क्षमता को बढ़ाने के लिए शासन स्तर से इस संबंध में प्रयास सुनिश्चित किए जाएंगे।

निरंतर 13 दिन जिले में कर रहे हैं दो हाथी विचरण, हो रहे नुकसान से नाराज हैं ग्रामीण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर वन परिक्षेत्र एवं थाना क्षेत्र में विगत तेरह दिनों से दो हाथी निरंतर विचरण कर रहे है जो रात भर ग्रामीणों के घरों, खेतों एवं बांड़ी में लगे रखें विभिन्न प्रकार के अनाज, सब्जियों के साथ घरों में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा दिन होते ही आसपास के जंगलों में विश्राम करने चले जाते हैं। यह प्रक्रिया निरंतर तेरह दिनों से चलने के कारण हाथियों के विचरण से प्रभावित ग्रामों के ग्रामीण रात-रात जागरण कर अपने घर, खेत, बाड़ी, मोहल्ला एवं गांव को हाथियों से बचाने के लिए रात-रात भर जागकर काट रहे हैं वहीं ऐसे ग्रामों के ग्रामीणों के परिवारों के सदस्य जिसमें वृद्ध, महिला, पुरुष एवं बच्चे सम्मिलित रहते हैं। रात-रात भर परेशान रहते हैं जिससे ग्रामीणों में व्यापक पैमाने पर असंतोष बढ़ता जा रहा है। वहीं वन विभाग के द्वारा हाथियों की निगरानी पर निरंतर नजर रखते हुए आबादी वाले क्षेत्रों में हाथियों के प्रवेश को रोकने के लिए ग्रामीणों के साथ काम कर रहे हैं वन विभाग के बड़े अधिकारी स्थल का निरीक्षण करते हैं के समय ग्रामीण जन अपनी व्यथा सुनाते हुए हाथियों को जिले से बाहर कराए जाने की मांग कर रहे हैं जिस पर 13 दिनों के मध्य ग्रामीण को सिर्फ आश्वासन एवं विभिन्न प्रकार के प्रयोग होते ही दिख रहे हैं लेकिन किसी भी तरह का सार्थक पहल नहीं हो पा रहा है यह दोनों हाथी विगत तीन दिनों में 8 से 10 किलोमीटर की परिधि में विचरण करते हुए मंगलवार एवं बुधवार के दिन गोबरी के जंगल

बढ़ौना खार में तथा गुरुवार की सुबह से अनूपपुर वन परिक्षेत्र तथा थाना क्षेत्र के दुधमनिया बे बीट के कक्ष क्रमांक 357 एवं 358 में विश्राम कर रहा है विगत तीन दिनों के मध्य अनूपपुर एवं जैतहरी थाना क्षेत्र एवं वन परिक्षेत्र के बेलियाकछर,पगना,ठेंगरहा,बांका,केकरपानी आदि ग्रामों में ग्रामीण के घरों में तोड़फोड़ कर बांड़ी में लगे केला,गान्ना,कटहल को आहार बना रहे हैं हाथियों के निरंतर विचरण पर अनूपपुर कलेक्टर एवं वन मंडलाधिकारी के निर्देश पर बैंगलोर से हाथी विशेषज्ञ रुद्रा आदित्य द्वारा बुधवार की शाम वन परिक्षेत्र जैतहरी के गोबरी बीट अंतर्गत कक्ष क्रमांक आर 302 जहां से हाथी दिन में विश्राम करने बाद देर शाम एवं रात को जंगल से निकल कर गोबरी,बांका,केकरपानी,बेलिया फटक की ओर खाने की तलाश के लिए जाते हैं यहां से हाथियों के ग्रामीण अंचलों में प्रवेश को रोकने के उद्देश्य जूट के बोरे मे मिर्ची डालकर मशाल बना कर,टीने में कन्डे,मिर्ची डालकर मिर्चीयुक्त धुआ किए जाने का प्रयोग किया गया जिससे हाथी कक्ष क्रमांक 302 के स्थान पर बढौनाखार जंगल में दिन में विश्राम करने बाद बुधवार की शाम जैतहरी राजेंद्रग्राम मुख्य मार्ग के मध्य भूपेंद्र सिंह के केसर के पास से मुख्य मार्ग पर चलते हुए गोबरार नाला के समीप जंगल में जाकर कुछ देर ठहरने बाद फिर से मुख्य मार्ग पर चलते हुए ठाकुरबाबा के पीछे के जंगल में जाकर गोवरी एवं ठेंगरहा के मध्य विजय सिंह के घर के पास से निकाल कर गोबरी तथा ठेंगरहा तालाब में पानी पीने बाद ग्रामीणो एवं वन विभाग की टोली द्वारा भगाए जाने पर ठेंगरहा-पगना मुख्य मार्ग पर चलते हुए देर रात ठेंगरहा गांव में शकुंतला सिंह के कच्चे मकान को दो स्थानों पर तोड़कर अंदर रखे धान को निकाल कर खाते हुए निरंतर एक घंटे तक उनके घर को निशाना बनाते रहे इस बीच जूट की बोरी में मिर्ची डालकर बनाए गए मशाल एवं पटाखा के माध्यम से भगाए जाने पर कुछ दूर जाकर फिर वापस आ जाते रहे

तेजी से भगाए जाने पर यह दोनों हाथी कुदुरझोड़ी नाला पार कर रात एक बजे अनूपपुर वन परिक्षेत्र एवं थाना के बांका गांव में जंगल में बसे महदोले सिंह के घर के पास पहुंचकर बड़ी में लगा केला खाने बाद छन्दू सिंह के घर की परछी की मिट्टी की दीवाल तोड़कर परछी में रखा एक बोरी सरई का बीज खींचकर खाते हुए सुबह होते-होते दुधमनिया कक्ष क्रमांक 378 के कूप नंबर तीन राजामचान के समीप पहुंचकर गुरुवार के दिन विश्राम कर रहे हैं बुधवार की देर शाम वन मंडलाधिकारी अनूपपुर के द्वारा अपनी उपस्थिति में बैंगलोर के हाथी विशेषज्ञ रुद्रा आदित्य से बचाव के उपाय का निरीक्षण किया इस दौरान ग्राम पंचायत गोबरी के सरपंच एवं ग्रामीणों ने डीएफओ से हाथियों को जिले के बाहर कराए जाने का पर चर्चा पर तीन दिनों का समय मांगा है हाथियों का समूह गुरुवार की रात किस दिशा में विचरण करेगा यह रात होने पर ही पता चल सकेगा।

हिंदुस्तान एक्सप्रेस की खबर का हुआ असर, फ्लाईओवर ब्रिज के पिलर के पास रेलवे ठेकेदार ने बनाया सुरक्षा घेरा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। हिंदुस्तान एक्सप्रेस में प्रमुखता से प्रकाशित फ्लाईओवर ब्रिज के पिलर के पास गड्ढे में सुरक्षा घेरा ना होने का समाचार प्रकाशित हुआ था जिस पर जिला प्रशासन तत्काल संज्ञान लिया। रेलवे को निर्देशित किया, जिसके तारतम में रेलवे /ठेकेदार ने पिलर के गड्ढे के आसपास काम चलाऊ घेरा बना दिया है, जिससे बहुत मजबूत सुरक्षा घेरा नहीं कहा जा सकता, जबकि ठेकेदार को चाहिए कि पिलर के गड्ढे के आसपास डीन का घेरा बनाए जाएं जिससे किसी के भी गिरने की संभावना कम हो सकती है। अतः रेलवे, प्रशासन को चाहिए कि ठेकेदार को निर्देशित करें कि गड्ढे के आसपास मजबूत घेरा बनाए, जिससे कि होने वाली दुर्घटना से बचा जा सके।

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

निर्माणाधीन रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज के सुरक्षा मानकों को किया जा रहा अनदेखा, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना, कलेक्टर लें संज्ञान

खबर का हुआ असर

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल 27 जून 2024 को शाम 4:10 बजे ट्रेन द्वारा भोपाल से अनूपपुर हेतु प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 2:25 बजे रेलवे स्टेशन अनूपपुर पहुंचेंगे। तत्पश्चात् रात्रि 2:35 बजे अनूपपुर से बिजुरी हेतु प्रस्थान करेंगे। 28 जून 2024 को प्रातः 4 बजे बिजुरी पहुंचेंगे। शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

चेम्बर में सम्पत्तिकर शिविर आयोजित, 7 करोड़ का राजस्व नगर निगम को प्राप्त हुआ

ग्वालियर। नगर-निगम के सहयोग से गुरूवार को सम्पत्ति कर शिविर का आयोजन चेम्बर भवन में किया गया। शिविर में शहर के सभी 66 वार्ड के टीसी व उनके सहायक उपस्थित रहे और व्यवसाईयों सहित आम नागरिकों का सम्पत्ति कर जमा किया गया। महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार एवं आयुक्त नगर निगम हर्ष सिंह ने बताया कि 6 प्रतिशत छूट के साथ सम्पत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून है।

चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि शिविर में 7 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति नगर निगम को हुई है। शिविर में 1202 करदाताओं की रसीद काटी गई। चेम्बर ने छूट के साथ संपत्तिकर जमा करने की अवधि को 2 माह के लिए आगे बढ़ाये जाने की मांग की है। चेम्बर अध्यक्ष डा. अग्रवाल का कहना है कि नगर-निगम का कुछ माह पूर्व सॉफ्टवेयर हैक हो जाने से शहर के सम्पत्तिकर दाताओं के सामने गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है और डाटा अभी तक पूरी तरह से रिकवर नहीं हुआ है, जिसके कारण करदाता ऑनलाइन सम्पत्ति कर जमा नहीं कर पा रहे हैं। साथ ही पूर्व में जमा किए अधिक गारबेज शुल्क का डाटा भी कम्प्यूटर में नहीं दिखने से वर्तमान वित्तीय वर्ष का सम्पत्ति कर जमा करते समय पूर्व में जमा किए गए अधिक 'गारबेज शुल्क' का समायोजन भी नहीं हो पा रहा है।

इस समस्या से शहर का सम्पत्ति करदाता असमंजस की स्थिति में हैं। इसलिए आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सम्पत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि को कम से कम 2 माह बढ़ाया जाना आवश्यक हो गया है।

पूरी पारदर्शिता और अत्याधुनिक तकनीक से होगी फसल गिरदावरी: कलेक्टर

ग्वालियर। फसल गिरदावरी में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने ÷डिजिटल क्रॉप सर्वे÷ कराने का निर्णय लिया है। मौजूदा खरीफमौसम की फसलों की गिरदावरी इसी आधुनिक तकनीक से की जायेगी। स्थानीय युवा मोबाइल एप के जरिए डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण का कार्य करेंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा खरीफ फसलों के ÷डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण÷ के संबंध में जारी किए गए दिशा-निर्देशों के तहत जिले में स्थानीय युवाओं से सर्वेक्षण कराने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए हैं।

÷डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण÷ का काम एमपी किसान एप के माध्यम से किया जायेगा। यह एप प्ले स्टोर से एंड्रॉयड मोबाइल फोन पर आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। स्थानीय युवा खेत में जाकर जियो फेस तकनीक से फसल का फोटो लेंगे और इस एप पर अपलोड करेंगे। स्थानीय युवा 45 दिन में सर्वे का कार्य करेंगे। डिजिटल क्राप सर्वेक्षण करने के लिए स्थानीय युवक को निकटतम ग्राम पंचायत का निवासी होना चाहिए। उसके पास एंड्राइड वर्जन 6 प्लस वाला स्मार्ट फोन होना चाहिए। साथ ही इंटरनेट की सुविधा होना भी अनिवार्य है। सर्वे के लिए चिन्हित स्थानीय युवा की आयु 18 से 40 वर्ष एवं वह कक्षा 8वीं उतीर्ण होना चाहिए। सर्वेक्षण के लिए युवाओं के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। चयनित युवाओं को राजस्व निरीक्षक वृत स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित कराया जायेगा। सर्वेक्षण कार्य के लिए स्थानीय युवा सर्वे कार्य के लिये अपना पंजीयन डच्ठभ्न्स्म्ज्ञभ् पोर्टल पर करा सकेंगे। स्थानीय युवा को सर्वेक्षण के एवज में प्रति सर्वे नम्बर प्रथम फसल के लिए 8 रूपए व प्रत्येक अतिरिक्त दर्ज फसल के लिये 2 रूपए दिए जायेंगे। प्रति सर्वे नम्बर अधिकतम 14 रूपए के मान से राशि देय होगी।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण में मानव एवं आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। ऐप से लिए गए फोटो से फसल की पहचान की जाएगी। जिसका सत्यापन तहसीलदार एवं पटवारी करेंगे। सर्वेक्षण करने वाले युवा द्वारा एप पर अपलोड की गई जानकारी तथा सैटेलाइट इमेज से प्राप्त जानकारी का सत्यापन पटवारी (सुपरवाइजर) करेंगे। यदि अपलोड की गई जानकारी से सुपरवाइजर के असहमत होने पर पुनरावलोकन एवं सर्वेक्षण के लिए डाटा स्थानीय युवा सर्वेयर को भेजा जायेगा। जांच अधिकारी द्वारा 20 प्रतिशत ग्रामों के खसरे की जांच की जायेगी। वैरीफायर अर्थात तहसीलदार द्वारा हर ग्राम के एक प्रतिशत विसंगति खसरों का सत्यापन करेंगे। सर्वे से असहमत होने पर किसान भाई अपनी दावा-आपत्ति ऑनलाइन ÷सारा एप÷ के माध्यम से प्रस्तुत कर सकेंगे। इनका निराकरण पार्सल लेवल जियो फेस के माध्यम से खेत की फोटो अपलोड कर किया जाएगा। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण तकनीक के उपयोग से फसल सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता तथा गुणवत्तापूर्ण गिरदावरी की जा सकेगी।

झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-महोबा रेल खंड पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य किया गया

झांसी। रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - महोबा रेल खंड पर तेहरका-रानीपुर रोड- मऊरानीपुर स्टेशनों (21.00 किमी) के बीच दोहरीकरण के संबंध में एनआई कार्य ईआई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग)की कमीशनिंग का कार्य किया जाना है, कार्य के कारण गाड़ियों सञ्चालन में परिवर्तन किया गया है जिसका विवरण निम्न लिखित है

गाडी संख्या 19666 उदयपुर-खजुराहो एक्सप्रेस यात्रा आरम्भ तिथि 28.06.24 और 29.06.24 को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ललितपुर-खजुराहो होकर संचालित की जाएगी, इस दौरान यह गाडी सिंघपुर डूमरा, महोबा, कुल्पहाड, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव नहीं ले सकेगी

गाडी संख्या 19665 खजुराहो-उदयपुर एक्सप्रेस यात्रा आरम्भ तिथि 29 और 30.06.24 को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग खजुराहो-ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी होकर संचालित की जाएगी, इस दौरान यह गाडी सिंघपुर डूमरा, महोबा, कुल्पहाड, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव नहीं ले सकेगी

बारिश के मौसम में बिजली दुर्घटनाओं से सावधानी बरतें

ग्वालियर। बारिश के दौरान सावधानिया बरतकर हम बिजली संबंधी कई तरह के व्यवधानों और परेशानियों से बच सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सलाह दी है कि घर में एम. सी. बी. (मिनियेचर सर्किट ब्रेकर) स्विच जरूर होना चाहिए। इससे घर के बिजली प्रवाह में कोई गड़बड़ी होने पर बिजली आपूर्ति स्वतः बंद हो जाती है और बिजली संबंधी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। घर में प्रोपर अर्थिंग हो, जहां पर बिजली उपकरण रखे हैं वहां पर सीलन न हो और वायरिंग गीली जगह पर नहीं होना चाहिए।

किसान भाईयों को सलाह दी गई है कि बारिश के मौसम में अपने पशुओं को बिजली के खम्बों से नहीं बांधे । आंधी तूफान के कारण कई जगह बिजली के तार टूटकर रास्ते पर आ जाते हैं, ऐसे में टूटे हुए बिजली के तारों को हाथ न लगाएं और तत्काल बिजली कंपनी को सूचित करें। भैंसों के तबेलों के आसपास बिजली आपूर्ति के लिए खुली वायरिंग कदापि न हों। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर बिजली कंपनी के काल सेंटर 1912 अथवा 0755-2551222 (वाट्सएप चौट वोट) या उपाय एप पर संपर्क किया जा सकता है।

निगमायुक्त ने जलभराव को लेकर ली बैठक

ग्वालियर। अधिकारी सभी नालों की दोबारा सफाई करायें और जहां भी जलभराव हो रहा हो तो तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करें। इस कार्य में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। यह निर्देश निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने बारिश के मौसम में जलभराव को लेकर अधिकारियों की बैठक लेकर दिये।

बैठक में निगमायुक्त सिंह ने गत दिवस बारिश के दौरान हुए जलभराव की जानकारी सभी संबंधित अधिकारियों से ली और वहां पानी निकासी के लिए की गई व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव होने की स्थिति में अमला पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था करे और जो भी आवश्यक व्यवस्था की जानी है तत्काल करें। निगमायुक्त सिंह ने नोडल अधिकारी कार्यशाला को भी निर्देश दिए कि जलभराव के दौरान जल निकासी के लिए मशीनरी एवं संसाधन की किसी भी प्रकार की कमी न रहे। यह कार्यशाला अधिकारी एवं अन्य अधिकारी सुनिश्चित करें। बैठक में अपर आयुक्त आरके श्रीवास्तव, विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा भारती का ग्रीष्मकालीन शिविर संपन्न

ग्वालियर। सेवा भारती के विगत एक माह से चल रहे चल रहे

ग्रीष्मकालीन शिविर का गुरूवार को समापन हो गया। समापन पर सभी सहभागियो को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम अरुण हायर सेकेंडरी स्कूल गुढा के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में सेवा भारती अध्यक्ष विजय गुप्ता, आपदा प्रबंधन प्रमुख प्रेम नारायण चौरसिया तथा ललित मिश्रा और विद्यालय के संचालक अरुण सिंह चौहान उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य दो समूहों ने प्रस्तुत किया तथा उसके बाद कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए आए हुए भैया बहनों ने कंप्यूटर के बारे में जो सीखा उसका विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष विजय गुप्ता ने कहा कि जो कला सीखी है उससे आगे भविष्य में आपके रोजगार के साधन बन सकते हैं। आप इन कार्यों को पूरी लगन के साथ औरों को भी सिखाए ऐसे आयोजन में हमारा पूरा सहयोग रहेगा। इस मौके पर प्रशिक्षक के रूप में सुश्री प्रेरणा गौड़, कोमल राजौरिया, ललिता कुशवाहा, पलक चौहान, अंजलि चौहान, प्रियंका चौहान, शीतल कुशवाहा, प्रेरणा गौड, ममता चौहान, अशोक कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

माफी औकाफके मंदिरों के परिसर में होगा बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

ग्वालियर। जिले में शासन द्वारा संधारित माफी-औकाफके जिन मंदिरों में मेले लगते हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है, उन मंदिर परिसरों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में तीन दृ तीन मंदिरों में मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिये कार्ययोजना तैयार कर भेजने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा है कि मंदिर परिसर में पेयजल, शौचालय, श्रृद्धालुओं के बैठने के लिये बैंच, छायादार वृक्षारोपण एवं साफसफाई की पुख्ता व्यवस्था की जाए।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। आदतन कचरा फैलाने व डस्टबिन का उपयोग न करने वालों के खिलाफनगर निगम के अमले ने गुरूवार को अभियान चलाकर जुर्माना वसूला है। निगम अमले ने गुरूवार को गोल पहाड़िया रोड पर दुकानदारों द्वारा डस्टबिन न होने एवं गंदगी करने पर 1500 रूपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें गणेश डिस्पोजल 1000 रूपये, कुशवाहा पान सेंटर 250 रूपये, पाल किराना सेंटर 250 रूपये वसूला गया साथ ही दुकानदारों को नियम के पालनो के लिए समझाइए दी गई। कार्यवाही के दौरान फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया, जेडएचओ महेश, फ्लाइंग स्कॉट सदस्य राजकमल चौहान, प्रदीप राज चौहान, मोनू वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

हुजरात मार्केट की नवनिर्मित दुकानों का होगा ऑक्सन

ग्वालियर। ग्वालियर स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन द्वारा स्मार्ट सिटी योजना अंतर्गत नगर निगम की हुजरात मार्केट का पुनर्निर्माण किया गया है। जिसके अंतर्गत हुजरात मार्केट स्थित प्रथम तल की 04 एवं द्वितीय तल की 50 रिक्त दुकानों एवं ढोलीबुआ का पुल स्थित नवनिर्मित मार्केट की 18 रिक्त दुकानों को अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 संशोधन 2021-2023 के अंतर्गत 30 वर्ष की लीज पर ऑनलाइन टेण्डर कम ऑक्शन के माध्यम से निविदा आमंत्रित कर आवंटन किया जा रहा है। जिसके संबंध में मार्केट पर रिक्त दुकानों की जानकारी फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित भी की गई है।

रेल मदद एप की सहायता से ट्रेन में अचानक प्रसव पीड़ा से पीड़ित महिला रेल यात्री को मिली त्वरित चिकित्सीय सहायता

झांसी। गाडी संख्या 01025 दादर-प्रयागराज एक्सप्रेस में दादर से प्रयागराज के मध्य यात्रा कर रही महिला यात्री रीता गौतम को बाँदा स्टेशन पहुचने से पहले ही अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गयी, इस दौरान महिला यात्री के साथ यात्रा कर रहे सह यात्रियों द्वारा रेल प्रशाशन को रेल मदद एप के माध्यम से सूचना पहुचाते हुए चिकित्सीय सहायता मांगी गयी ढ्ढ मंडल नियंत्रण कार्यालय को सूचना मिलते ही वाणिज्य विभाग के कर्मियों द्वारा बाँदा रेलवे हॉस्पिटल से संपर्क कर त्वरित कार्यवाही करते हुए ट्रेन के बांदा पहुचने से पहले स्टेशन पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करने हेतु सभी तैयारियांपूर्ण कर ली गयी, जैसे ही ट्रेन प्लेटफोर्म पर पहुची पहले से उपस्थित रेलवे डॉक्टर एवं उनकी टीम द्वारा उक्त महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया, मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे डॉक्टर की सलाह पर मरीज को तत्काल सिविल अस्पताल बांदा पहुचाया गया।

.... शेष पृष्ठ एक का

आमजन की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

उन्होने कहा कि आमजन की समस्याओ का निराकरण करने के हर संभव प्रयास किये जायेगे तथा ग्रामीण क्षेत्रो में बुनियादी सुविधाओं को ओर अधिक बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया जायेगा।

क्षेत्रीय विधायक रामनिवास रावत ने कहा कि बिजली, पानी, सडके आदि मूलभूत सुविधाओ को बढाने का कार्य निरंतर रूप से किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से पानी पहुंचाने का कार्य जारी है तथा विभिन्न स्थानो पर विधुत सब स्टेशनो की स्थापना कर बिजली व्यवस्था को ओर अधिक सुदृढ करने का कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक गर्ग द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन विधुत महाप्रबंधक आरके सक्सैना द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष तोमर का क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा बडी माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में माननीय विधानसभा अध्यक्ष तोमर सहित अन्य अतिथियों द्वारा 2.27 करोड रूपये की लागत से बनने वाले 5 एमवीए, 33/11 केव्ही के विधुत सब स्टेशन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर, क्षेत्रीय विधायक रामनिवास रावत एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी की उपस्थिति में एसएसटीडी योजना के तहत ग्राम मगरदेह में भी 2.56 करोड की लागत से 5 एमवीए, 33/11 केव्ही के विधुत सब स्टेशन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस सब स्टेशन से मगरदेह सहित ग्राम मगरधा, दुबेरा, कदवई, शुक्रवारा, धोरेरा, सूरदेह, धमानी एवं खडेरा ग्रामों को लाभ प्राप्त होगा, जिसमें लगभग 250 कृषि उपभोक्ता एवं 1 हजार अन्य उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। विधुत सब स्टेशन के निर्माण से वर्तमान विधुत सब स्टेशन पर अतिभारित वाली समस्या हल होने के साथ-साथ पर्याप्त वॉल्टेज के साथ विधुत का प्रदाय सुनिश्चित होगा।

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

मध्यप्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा इस अवसर पर नव निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन मगरदेह का लोकार्पण किया गया। 43.88 लाख की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन से आसपास के लोगों को ओर भी अधिक बेहतर तरीके से स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होगी।

समस्त विभागीय अधिकारी पिछली प्रोसीडिंग के हिसाब से प्रभारी अपर सचिव की बैठक में उपस्थित रहें: प्रभारी कलेक्टर

प्रभारी कलेक्टर ने 08 जनवरी को पीएस और 01 फरवरी को सीएम की बैठक की प्रोसीडिंग की समीक्षा की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश के विद्युत एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं चम्बल संभाग के प्रभारी अपर सचिव मनु श्रीवास्तव द्वारा 08 जनवरी और प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 01 फरवरी को चम्बल संभाग की बैठक की थी। बैठक की प्रोसीडिंग की तैयारियों के संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने सभी विभागों की रिव्यू बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी पिछली प्रोसीडिंग के हिसाब से तैयार के साथ 29 जून को प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में उपस्थित रहें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि 01 फरवरी को समीक्षा की गई थी। उस संबंध में भी

मुख्यमंत्री द्वारा चम्बल संभाग की अधिकारी विभाग वार जानकारी के साथ उपस्थित रहें। बैठक में बारी-बारी से विभागवार द्वारा किये गये पिछले 04 माह में प्रगति की जानकारी दी जायेगी।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, नगर निगम कमिश्नर देवेन्द्र सिंह चौहान, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, खनिज, महिला बाल विकास, शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, कृषि, वैटनरी, उद्यानिकी, पीआईयू, पीएचई, ईआरईएस, स्वास्थ्य, डीपीसी, सामाजिक न्याय, सिंचाई, नेहरू युवा केन्द्र, आयुष, खेल, सौर ऊर्जा, आईटीआई, श्रम, उच्च शिक्षा, खाद्य, एकेबीएम, ट्रायवल, ब्रिज कॉर्पोरेशन, जिला पंचायत, सड़क विकास निगम, एमपी एग्रो, विद्युत विभाग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं ने दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

संपर्क एप्प बंद करने और 6 वर्ष तक के बच्चों के प्रवेश के आदेश को निरस्त करने की मांग

मुरैना। आंगनबाड़ी कर्मचारियों के लिए शुरू किए गए संपर्क एप्प को बंद करने और सरकारी स्कूलों में 6 वर्ष तक के बच्चों के प्रवेश के आदेश को निरस्त किए जाने सहित 16 सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एकता सहायिका यूनियन सीटू के तत्वावधान में कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने से पहले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं शहर के नेहरू पार्क में एकत्रित हुईं। यहां धरना प्रदर्शन करने के बाद रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचीं और ज्ञापन दिया। इस ज्ञापन में संपर्क एप्प तत्काल बंद करने, कार्यकर्ता पद पर पदोन्नति में उम्र का प्रावधान समाप्त किए जाने, मिनी कार्यकर्ताओं को फुल कार्यकर्ता बनाए जाने, सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी का लाभ दिए जाने, सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर पांच लाख रूपये की राशि परिजन को दिए जाने, भवन किराया बढ़ी हुई दरों पर भुगतान किए जाने, आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल, लाईट, पंखें का प्रबंध किए जाने, आंबा कर्मचारियों को मीटिंग या ट्रेनिंग में आने-जाने के लिए भत्ता दिए जाने, हाईकोर्ट के आदेश के पालन में अन्य विभागों का कार्य न

बैंकर्स पॉजीटिव सोच के साथ कार्य करें, ताकि लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

डीएलसीसी की बैठक सम्पन्न

मुरैना। प्रदेश सरकार की मंशा है कि संचालित कल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिले। इसके लिये बैंकर्स पॉजीटिव सोच के साथ कार्य करें। तभी प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। यह बात प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले ने डीएलसीसी की बैठक में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में कही। इस अवसर पर एलडीएम श्री एनके मंगल, डीपीसी श्री दिनेश तोमर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित थे।

प्रभारी कलेक्टर डॉ. गढ़पाले ने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में स्वीकृति एवं बैंको द्वारा वितरण में अंतर नहीं होना चाहिये। डिस्पर्स का समय व टाइम भी बैंकर्स तय करें, व्यक्ति को अनावश्यक परेशान न करें। देखने में आया है कि कई बैंकर्स हितग्राही को बार-बार एक कागज की कमी बताकर उसे परेशान करते है। आवेदन में जो भी कमी है, उसे एक बार में ही हितग्राही को बतायें। ताकि उसे बार-बार बैंक के चक्कर न लगाने पड़े। हितग्राही के बार-बार बैंक में चक्कर लगाने से बैंक की साख गिरती है। उन्होंने कहा कि बैंकर्स कोई भी समस्या हो, तो एलडीएम से कॉर्डिनेशन करके उसे तत्काल हल कर लें। पोर्टल को खोलते समय शासन की प्राथमिकता पर लोगों को ऋण उपलब्ध करायें।

कर्मों का फल सभी को भुगतना पड़ता है चाहे वह कोई भी हो: शास्त्री जी

भागवत कथा एक कल्पवृक्ष है इसे सुनने से मनचाहा फल प्राप्त होता है

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। सभी आत्मा परमात्मा की संतान होती हैं। परमात्मा अपना फर्ज का निर्वहन करते हुए प्रत्येक मानव की खाने-पीने, रहने आदि सभी की व्यवस्थाएं स्वयं करते हैं। मनुष्य भगवान को भूलता जा रहा है, जबकि उसे भगवान को याद करना चाहिए। भगवान सभी को उनके कर्मों का ही फल प्रदान करते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कर्म करने से पहले सोच-समझकर कर्म करना चाहिए। कर्म का ही फल प्रत्येक व्यक्ति को मिलता है, मिल रहा है और मिलेगा। कर्मों का फल सभी को भुगतना पड़ता है। प्रत्येक व्यक्ति को सोच-समझकर कर्म करना चाहिए। सीता माता ने बाल्यावस्था में तोता-तोती को पकड़ा था उसकी सजा सीता माता को वनवास के रूप में भुगतानी पड़ी थी। उक्त उद्गार संत बिष्णु चेतन महाराज शास्त्री ने बड़ी

संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

ग्राम रायचंद का पुरा के ग्राम वासियों के द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में पंडित संत बिष्णु चेतन महाराज शास्त्री ने भगवान श्रीराम की कथा विस्तार पूर्वक समझाते हुए बताया कि भगवान राम जी ने असुरों का विनाश करने के लिए इस धरती पर अवतार लिया था। भगवान श्रीराम ने रावण जैसे राक्षसों का नाश किया और सोने की लंका का राज्य विभीषण को दिया। अयोध्या लौट के भगवान श्रीराम ने राम राज्य की स्थापना की थी। रामराज्य में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई भी दुःख नहीं रहता था। शास्त्री जी ने कर्मों के फल के बारे में बताते हुए कहा कि सीता माता जब छोटी थीं तब उन्होंने एक तोता-तोती जो बाल्मीकि रामायण गा रहा था उसको कैद करवा लिया था और तोता-तोती से कहा कि जब तक आप जो कथा गा रहे हो वह सत्य नहीं होती, तब तक तुम हमारे कैद में रहोगे। तब तोता-तोती ने कहा कि हम आजाद पंछी हैं, हम कैद में नहीं रह सकते। इस बात को भी सीता जी ने नहीं माना तो तोता-तोती के प्राण निकल गए। उस वक्त तोती गर्भवती थी और उन्होंने जाते-जाते श्राप दिया। उस श्राप की बदौलत सीता जी को वनवास में रहना पड़ा, जहां लव और कुश हुए। जब कर्मों के फल से जगत के स्वामी नहीं बच पाए तो हर आम आदमी कैसे बचेगा, इसलिए कर्म करने से पहले देखभाल कर कर्म करना चाहिए।

लभनपुरा में पीड़ित परिवार को 50-50 किलो खाद्यान्न वितरण किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विगत दिवस ग्राम पंचायत लभनपुरा में बाल्मीक समाज के परिवार की झौंपड़ियों में आज लग गई थी। उन परिवारों को प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देश पर तात्कालिक रूप से 50-50 किलो खाद्यान्न प्रदाय किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया है कि विकास पुत्र जगदीश, राजू पुत्र फद्दीलाल, भगवान दास पुत्र फद्दीलाल, मदनलाल पुत्र सोनेराम, बलराम पुत्र मदनलाल इन सभी परिवारों को खाद्यान्न वितरण गत दिवस कर दिया गया है।

प्रभारी कलेक्टर के निर्देश पर बीआरसी ने हड़वांसी विद्यालय का किया निरीक्षण, तीन कर्मचारियों का काटा वेतन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रभारी कलेक्टर डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देश पर बीएसी विमेलश यादव और मुनेश सिकरवार ने गत दिवस शासकीय माध्यमिक विद्यालय हड़वांसी का प्रातः 10:30 बजे आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय का माध्यमिक शिक्षक राकेश रावत 26 से एवं भृत्य श्रीमती मुन्नी बाई विगत दो दिवस से अनुपस्थित पाई गई। जबकि विद्यालय में 275 विद्यार्थियों में से एक भी विद्यार्थी उपस्थित नहीं पाया गया। विद्यालय परिसर में चारो ओर से गंदगी पाई गई। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र मुरैना के द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही के आधार पर सहायक शिक्षक रामलखन सिंह कुशवाह, माध्यमिक शिक्षक श्रीमती संध्या सक्सेना, श्रीमती अंजली शर्मा का एक-एक दिवस का वेतन, प्रभारी प्रधानाध्यापक रामेश्वरदयाल टैगोर का तीन दिन का वेतन काटने, माध्यमिक शिक्षक राकेश रावत का दो दिन का वेतन, भृत्य श्रीमती मुन्नी बाई का तीन दिवस का वेतन काटने के आदेश जारी किये है।

लोक सेवा गारंटी में समय-सीमा में जानकारी न देने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सबलगढ़ पर 4500 रूपये का जुर्माना

मुरैना। लोकसेवा गारंटी पोर्टल पर आवेदक के आवेदन दिनांक से समय-सीमा में जानकारी प्रस्तुत न करने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सबलगढ़ अशोक पटेल पर विलंब का कारण प्रति प्रकरण पर 250 रूपये के मान से 4500 रूपये का जुर्माना की शासित अधिरोपित की गई है।

कलेक्टर अंकित अस्थाना के द्वारा नगर पालिका सबलगढ़ के सीएमओ अशोक पटेल पर तीन आवेदनों के लोकसेवा गारंटी पोर्टल पर समय-सीमा में जानकारी न देने पर 4500 रूपये का दण्ड अधिरोपित किया है। जिसमें एक आवेदन पर 2 हजार, दूसरे आवेदन पर एक हजार और तीसरे आवेदन पर 1500 रूपये बताये गये है। यह जानकारी 01 मई तक उपलब्ध करानी थी।

उन्होंने बताया कि आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा प्रतिकर की राशि शीघ्र आहरित की जाकर 30 दिवस के अंदर उक्त हितग्राही को भुगतान की जायेगी।

धनेला में सहरिया परिवारों को उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस वितरित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रधानमंत्री जन-मन के अंतर्गत मुरैना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत धनेला में सहरिया परिवारों को उज्जवला योजना के तहत रसोईगैस का वितरण किया गया।

विदित है कि विगत सप्ताह ग्राम धनेला के सहरिया पुरा में 33 परिवारों में से 22 परिवारों को रसोईगैस वितरण किये गये। जिसमें कलेक्टर अंकित अस्थाना और सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले उपस्थित थे।

वैश्य महासम्मेलन मप्र के प्रदेश महामंत्री एवं चंबल संभाग प्रभारी बने सतीश अग्रवाल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। वैश्य महासम्मेलन मप्र के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व केबिनेट मंत्री मप्र शासन उमाशंकर गुप्ता के निर्देशानुसार मुरैना निवासी सतीश अग्रवाल को प्रदेश महामंत्री एवं चंबल संभाग का प्रभारी नियुक्त किया है। सतीश अग्रवाल की नियुक्ति से वैश्य समाज में हर्ष व्याप्त है। सतीश अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज को एकजुट किया जायेगा। वैश्य समाज को सुरक्षा का काम किया जायेगा। वैश्य समाज में भय का वातावरण दूर किया जायेगा। व्यापार व्यवसाय में मदद की

जायेगी। वैश्य समाज के सभी घटकों को रोटी-बेटी के संबंध से जोड़ा जायेगा। वैश्य महासम्मेलन भारत का सामाजिक सबसे बड़ा संगठन है। इस संगठन के मप्र में तहसील से लेकर गाँव तक सदस्य हैं। हर वैश्य समाज को इस संगठन से जोड़ा जायेगा। बधाई देने वालों में दिनेश बंसल, नरेश अग्रवाल, एडवोकेट पदम चंद जैन, उमेश गुप्ता, गिरिजेश गर्ग, बिनोद मंगल, धीरज गर्ग, रामसेवक गुप्ता, मातादीन मंगल, अभिषेक जैन, नीता बांदिल, निधि गुप्ता आदि वैश्य समाज के महिला पुरुषों ने बधाई दी।

पंजीकृत श्रमिकों के लिये 02 नई योजनाऐं प्रारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल द्वारा पंजीकृत श्रमिकों के लिये 02 नई योजनाऐं प्रारंभ की गई है। पहली भवन एवं अन्य संनिर्माण दिव्यांग सहायता अनुदान योजना एवं दूसरी भवन एवं अन्य संनिर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना। पंजीकृत श्रमिकों को ई-स्कूटर की खरीदी के लिये क्रय मूल्य का 50 प्रतिशत जो कि अधिकतम 40 हजार रूपये होगा, की सहायता दी जायेगी, जबकि दिव्यांगजन श्रमिकों एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यो की दिव्यांगता की स्थिति में मोटर चलित त्रिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि जो कि अधिकतम 35 हजार रूपये होगी, प्रदान की जायेगी। इसके लिये श्रम विभाग द्वारा 14 जून 2024 को राजपत्र में प्रकाशन किया गया है। योजना की शर्तों के अनुसार दिव्यांग श्रमिक के पारा 40 प्रतिशत दिव्यांगता का यूडीआईडी स्थाई कार्ड होना चाहिये, जो कि 01 अप्रैल 2023 या इसके पश्चात् बना हो। मोटर चलित साईकिल एवं अन्य दिव्यांग उपकरण आर्टिफिशियल लीम्ब्रा मेनुफेक्चरिंग कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा निर्मित होने चाहिये। पंजीकृत श्रमिक एवं उसके परिवार के एक सदस्य को सिर्फ एक बार इस योजना का लाभ मिलेगा। कर्मकार कल्याण मण्डल के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने पर इस योजना का लाभ 30 दिन के अंदर मिलेगा। ई-स्कूटर के लिये निर्माण श्रमिक का पंजीयन 05 साल पुराना होना अनिवार्य होगा। ई-स्कूटर के आरटीओ में रजिस्ट्रेशन का खर्च आवेदक श्रमिक को ही उठाना होगा। क्रय करने के बाद कर्मकार मंडल के पोर्टल पर अनुदान हेतु आवेदन करना होगा। जिसमें क्रय बिल, रजिस्ट्रेशन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस अपलोड करना होगा। 10 दिन के अंदर डीबीटी के तहत अनुदान राशि आवेदक के बैंक खाते में भेजी जायेगी। एक वित्त वर्ष में एक हजार श्रमिकों को पहले आयो, पहले पाओ के आधार पर योजना का लाभ दिया जायेगा तथा इसमें 60 ई-स्कूटर दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित रहेंगे। शेष आवेदको को अगले वित्त वर्ष में योजना का लाभ दिया जायेगा। उक्त दोनो योजनाओं में क्रय के बाद गोटर चलित साईकिल एवं ई-स्कूटर 03 वर्ष तक बेची नही जा सकेगी तथा उस पर अनिवार्य रूप से लिखना होगा कि कर्मकार कल्याण मण्डल के अनुदान से क्रय किया गया है। उक्त योजनाओं के लिये पदाभिहीत अधिकारी सहायक श्रमायुक्त, श्रम पदाधिकारी, सहायक श्रम पदाधिकारी को नियुक्त किया गया है। योजना के लिये आवेदन जिला श्रम कार्यालय में किया जाएगा।

जिले में अब तक 56.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

मुरैना। मुरैना जिले में 01 जून से 27 जून, 2024 तक 56.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की तुलना में 76.8 मिलीमीटर वर्षा कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 133.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मुरैना सैयद मुज्जफर अली ने बताया कि जिले में 01 जून से 27 जून तक सर्वाधिक 101 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। जौरा में 85, पोरसा में 82, अम्बाह में 31, कैलारस में 29 और सबलगढ़ तहसील में सबसे कम 12.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 27 जून, गुरूवार को सर्वाधिक 78.6 मिलीमीटर वर्षा मुरैना में दर्ज की गई है। पोरसा में 52, जौरा-कैलारस में 15-15 और अम्बाह में 12 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

मुरैना शहर में वसूली शिविर का आयोजन, 21 लाख से अधिक की हुई वसूली

15 जुलाई तक चलेगा अभियान, 20 स्थानों पर और लगेंगे वसूली शिविर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुरैना शहर में बकाया बिल राशि वसूली हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुरैना-प्रथम संभाग के अन्तर्गत गणेशपुरा जोन, मुरैना शहर जोन एवं दत्तपुरा जोन में विभिन्न जगहों पर शिविर लगाये जा रहे है। यहां 24 जून 2024 को गणेशपुरा जोन के अन्तर्गत 5 नं. गली, गडोरा का पुरा चौराहे पर, मुरैना शहर जोन के अन्तर्गत मित्तल की धर्मशाला दत्तपुरा जोन के अन्तर्गत जे.एस. गार्डन एवं 25 जून 2024 को गणेशपुरा जोन के अन्तर्गत प्रेमनगर 5 नं. गली, मुरैना शहर जोन के अन्तर्गत जीवाराम की बाउड़ी, दत्तपुरा जोन के अन्तर्गत बी.एल.गार्डन जगहों पर शिविर लगाये गये हैं। अभी तक यहां पर कुल 6 शिविर लगाये जा चुके हैं। जिनमें कुल बकाया राशि लगभग 21 लाख रूपये वसूल किये जा चुके हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आगामी दिनों में भी मुरैना शहर में अनेक स्थानों पर शिविर लगाकर वसूली की कार्यवाही की जाएगी। यहां 26 जून से 15 जुलाई 2024 तक कुल 20 जगहों पर वसूली शिविर लगाये जाने हैं। इसी प्रकार मुरैना-द्वितीय संभाग, अम्बाह संभाग एवं सबलगढ़ संभाग के नगरीय क्षेत्रों में भी बकाया बिल वसूली हेतु अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक दिन बकाया राशि जमा करने हेतु उपभोक्ताओं से मुनादी के माध्यम से अपील की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधकों द्वारा स्वयं उपस्थित रहकर वसूली शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कंपनी ने बताया कि महाप्रबंधक भी शिविरों में जाकर बिल वसूली अभियान की समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही महाप्रबंधक द्वारा बड़े बकायेदारों से डोर टू डोर जाकर उपभोक्ताओं से सम्पर्क कर बकाया

राशि जमा करने हेतु प्रोत्साहित भी किया जा रहा है।

इधर कलेक्टर मुरैना के निर्देशानुसार सभी संभागों से बड़े बकायेदारों की सूची उपलब्ध कराने कहा गया है। ताकि ऐसे डिफॉल्टर उपभोक्ताओं के खिलाफ बाउण्डओवर की कार्यवाही की जावेगी। साथ ही अधिकारियों, कर्मचारियों व सुरक्षा गार्डों के द्वारा प्रत्येक दिन बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदन का अभियान भी चलाया जा रहा है। जांच के दौरान विद्युत चोरी के प्रकरण भी बनाये जा रहे है। कंपनी द्वारा सभी उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वह शिविरों का लाभ लेकर अपना बकाया राशि का बिल जमा कर किसी भी अप्रिय कार्यवाही से बचें।

इन 20 स्थानों पर लगेंगे वसूली शिविर

मुरैना शहर में जिन 20 स्थानों पर वसूली शिविर लगाए जाएंगे उनमें गणेशपुरा जोन के अंतर्गत मैदा फैक्ट्री में 27 जून 2024 को, अंबेडकर कॉलोनी के चौराहा के पास 28 जून को, काका ढाबा के पास 1 जुलाई को, बीना स्कूल के पास 2 जुलाई को, माता मंदिर के पास 3 जुलाई को, पूर्व पटवारी के पास 4 एवं 5 जुलाई को, हनुमान मंदिर के पास 8 जुलाई को, मयूर टॉकीज के पास 9 जुलाई को, काली माता मंदिर के पास 10 जुलाई को, बीएन गार्डन के पास 11 जुलाई को, बाग बोहरे चौराहे पर 12 जुलाई को, आमपुरा चौराहे पर 15 जुलाई 2024 को वसूली शिविर लगाया जाएगा।

इसी तरह मुरैना शहर जोन के अंतर्गत हरिजन छात्रावास शिकारपुर सब स्टेशन के पास 27 जून को, वानखण्डी रोड, गुरुद्वारा के पास 28 जून को, दत्तपुरा जोन के अंतर्गत माधोपुरा में एक जुलाई को, श्रीराम वाटिका में 2 जुलाई को, महावीर पुरा में 3 जुलाई को, पीपल वाली माता के पास 4 जुलाई को, रुई की मण्डी में 5 जुलाई को तथा केआर गार्डन में 27 जून 2024 को वसूली शिविर लगाया जाएगा।

खेत का फर्जी एग्रीमेंट कर हड़पी 10 लाख से अधिक की राशि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। खेत का फर्जी एग्रीमेंट कर 10 लाख 50 हजार रूपये की राशि हड़पे जाने को लेकर रिठौराकलां पुलिस ने 4 महिलाओं सहित 11 लोगों के विरुद्ध धारा-420 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार राकेश सिंह पुत्र रामेन्द्र निवासी करिश्मा कॉलोनी ग्वालियर का ग्राम करगांव में सर्वे क्रमांक-101 पर कृषि भूमि स्थित है। इस खेत का फर्जी एग्रीमेंट बनाकर हाकिम सिंह, विक्रम सिंह, ध्रुव सिंह, सालिकराम, राजाबेटी, मलखान सिंह, रामजीलाल, पुनियादेवी, ममताबाई, सोमताबाई नि. रुन का पुरा रिठौरा, छोटेलाल निवासी प्रेमनगर मुरैना ने 10 लाख 50 हजार रूपये हड़प लिए। खेत मालिक राकेश सिंह गुर्जर की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

चम्बल संभाग के प्रभारी अपर सचिव मनु श्रीवास्तव आज मुरैना में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश के विद्युत एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं चम्बल संभाग के प्रभारी अपर सचिव मनु श्रीवास्तव दो दिवसीय प्रवास पर 28 जून को मुरैना आयेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चम्बल संभाग के प्रभारी अपर सचिव मनु श्रीवास्तव 28 जून को अपरान्ह 3:10 बजे भोपाल से शताब्दी एक्सप्रेस द्वारा प्रस्थान कर रात्रि 8:10 बजे मुरैना आयेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। प्रभारी अपर सचिव श्री श्रीवास्तव 29 जून को प्रातः 10:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। श्री श्रीवास्तव अपरान्ह 02 बजे बाय रोड़ ग्वालियर के लिये प्रस्थान करेंगे। श्री श्रीवास्तव सायं 6:55 बजे ग्वालियर से भोपाल के लिये प्रस्थान करेंगे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं साकेत कुमार गोयल पुत्र श्री इन्द्रकांत गोयल, निवासी- शिव सदन स्टेशन रोड मुरैना शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट पर मेरा नाम साकेत गोयल (SAKET GOYAL) अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक खाता व अंक सूचियों पर मेरा नाम साकेत कुमार गोयल (SAKET KUMAR GOYAL) अंकित है। साकेत गोयल (SAKET GOYAL) व साकेत कुमार गोयल (SAKET KUMAR GOYAL) दोनों ही नाम मेरे हैं। मैं अपने पासपोर्ट पर अपना नाम संशोधित कराना चाहता हूँ। इसमें मेरा नाम साकेत कुमार गोयल अंकित किया जाए। भविष्य में मुझे साकेत कुमार गोयल के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। यह आमसूचना मेरे सभी शासकीय व अशासकीय कार्यों में काम आये।

सूचनाकर्ता
साकेत कुमार गोयल पुत्र श्री इन्द्रकांत गोयल, निवासी- शिव सदन स्टेशन रोड मुरैना (म.प्र.)

मुख्यमंत्री की घोषणा से मीसाबंदी खुश, जताया आभार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल/ग्वालियर। आपातकाल-1975 की 49वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्धारा आपातकाल के संघर्ष को पाठ्यक्रम में शामिल करने तथा लोकतंत्र सेनानी के दिवंगत होने पर उत्तरप्रदेश की तर्ज पर राजकीय सम्मान(गार्ड आफ आनर) दिये जाने आदि से संबंधित अनेक घोषणाएं किये जाने से प्रदेश के लोकतंत्र सेनानी गदगद हो गये हैं।

आयोजन के संबंध में राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने बताया कि मुख्यमंत्री के आमंत्रण पर राज्य के लगभग 15 सौ लोकतंत्र सेनानियों ने शिरकत की तथा व्यवस्थाएं उत्तम श्रेणीं की थीं। आयोजन में राष्ट्रीय स्वंय सेवक मध्यभारत प्रांत के संघचालक, पूर्व न्यायाधीश अशोक पांडे एवं भारतीय रक्षा मंच के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री सूर्यकांत केलकर, सुरेश देशपांडे, मेघराज जैन, गोपाल दंडोतिया आदि की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ा दी। अनेक वृद्ध लोकतंत्र सैनानियों के समागम एवं आपातकाल के कष्टप्रद संस्मरणों के आदान-प्रदान से 'कभी गम, कभी खुशी' का माहौल भी बना। मुख्यमंत्री दिल्ली प्रवास के व्यस्ततम कार्यक्रम को बीच में छोड़कर आयोजन में शामिल होना तथा आयोजन के तत्काल बाद दिल्ली वापस चले जाने की लोकतंत्र सेनानियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा, राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम, प्रदेशाध्यक्ष तपन भौमिक, उपाध्यक्ष मोहन विटवेकर, महामंत्री सुरेन्द्र द्विवेदी, कृष्णवीर सिंह ठाकुर (सागर), जगदीश अग्रवाल (उज्जैन), महेन्द्र नाहर (रतलाम) डॉ. रविराय (जबलपुर), गुलशन गोगिया (ग्वालियर), नवल किशोर मिश्रा (भिंड), दिलीफ शर्मा(भोपाल) आदि ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

चैक बाउंस विषय पर कार्यशाला कल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। चैक बाउंस विषय को लेकर चेम्बर भवन में शनिवार 29 जून को शाम 4:30 बजे से एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि चैक प्रदाता/गृहीता द्वारा चैक जारी होने के समय एवं अनादृत होने से पूर्ववर्ती/पश्चातवर्ती क्या-क्या सावधानियां रखी जाना चाहिए। उक्त विषय पर आपके विचारों पर होगी समाधानकारक चर्चा। उक्त कार्यशाला में एडवोकेट प्रशांत शर्मा, एडवोकेट भूपेन्द्र सिंह चौहान अपना विशेष संबोधन देंगे।

कैट के प्रदेशाध्यक्ष भूपेन्द्र जैन के नेतृत्व में हुई प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स से मुलाकात

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। कैट मध्यप्रदेश के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में गुरूवार को कैट ग्वालियर के प्रतिनिधि मंडल ने प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स प्रेमचंद्र मौर्य से मुलाकात की। श्री मौर्य ने कैट की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। कैट द्वारा आगमी बजट सत्र में व्यापारियों के साथ चाय पर चर्चा हेतु आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

इस अवसर पर कैट ग्वालियर के जिलाध्यक्ष दीपक पमनानी, कैट मध्यप्रदेश के महामंत्री रवि गुप्ता, उपाध्यक्ष राजकुमार कुकरेजा, यूथ विंग प्रभारी आकाश जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप पंजवानी, महामंत्री मनोज चौरसिया, प्रवक्ता अंशुल गुप्ता, सीए नितिन पहारिया, अजय चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

रोटरी चम्बल प्रतिक्षालय का उद्धघाटन कल

पुलिस अधीक्षक एवं रोटरी फाउंडेशन के प्रांतपाल करेंगे रोटरी क्लब चम्बल के दोनों स्थाई प्रोजेक्ट्स का उद्धघाटन कर जनता को समर्पित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। रोटरी क्लब चम्बल द्वारा निर्मित रोटरी चम्बल प्रतिक्षालय जिसका निर्माण पुल तिराहे मुरैना पर स्थित पुलिस यातायात चौकी के प्रांगण में किया गया है प्रतिक्षालय में टीनशेड का नवीन निर्माण, फर्श, बैठने के लिए कुर्सियां साथ ही साथ पंखे एवं लाइट की व्यवस्था की है। पूर्व में रोटरी क्लब चम्बल द्वारा पुलिस यातायात चौकी में शीतल जल प्याऊ हेतु वाटर कूलर भी लगाया गया है। अतः अब राहगीरों एवं यात्रियों हेतु छायादार बैठने का स्थान एवं शीतल जल की व्यवस्था प्रतिक्षालय में उपलब्ध है, जिसका उद्धघाटन जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में होगा। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के प्रांतपाल रोटेरियन पवन खंडेलवाल अपनी ऑफिशियल विजिट पर अलवर से मुरैना आ रहे हैं। वो भी इस उद्धघाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। साथ ही साथ रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3053 के आगामी सत्र प्रांतपाल रोटेरियन राहुल श्रीवास्तव, सह प्रांतपाल आनंद गुप्ता, सह प्रांतपाल डॉ. धीरेन्द्र सिंह चौहान, सभी रोटेरियन सदस्य और साथ ही साथ शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित होंगे। उद्धघाटन की श्रखंला में शासकीय मिडिल स्कूल क्रमांक 6 मदन हलवाई के पास में बच्चों और आम जनता के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हेतु एवं राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए मानवसेवा हेतु वाटर कूलर की व्यवस्था की गई है, जिसका उद्धघाटन भी मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों से सम्पन्न होगा। रोटरी डिस्ट्रिक्ट के प्रांतपाल वर्ष में एक दिन की गतिविधियों को जानने एवं क्लब से सदस्यों से मिलने गवर्नर ऑफिशियल विजिट करने के लिए 29 जून को मुरैना आ रहे हैं, जो कि अपनी टीम के साथ उद्धघाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इनके अलावा रोटरी क्लब ग्वालियर एवं धौलपुर क्लब सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

वैशाली नदी का अस्तित्व बचाने चलेगा जीर्णोद्धार अभियान

– संतों के सानिध्य में होगा जनअभियान का आगाज
– समाज के हर तबके के लोगों की होगी भागीदारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। वैशाली नदी करे पुकार... गंदगी और अतिक्रमण मुक्त कर, करो मेरा उद्धार... मुरार की वैशाली नदी की इस करुण पुकार के परिणाम स्वरूप भावी पीढ़ी के लिए बेहतर जीवन और नदी के अस्तित्व को बचाने के लिए जीर्णोद्धार अभियान चलाया जाएगा। संत समाज के सानिध्य में इस अभियान का आगाज होगा। जिसमें समाज के हर तबके के लोगों की भागीदारी होगी। वैशाली नदी (मुरार नदी) जीर्णोद्धार अभियान के सूत्रधार डॉ. केशव पाण्डेय ने बताया कि मुरार क्षेत्र की जीवन दायनी वैशाली नदी आज गंदा नाला बनकर रह गई है। जहां कभी स्वच्छ जल की अविरल धारा बहा करती थी। लगातार बढ़ते अतिक्रमण और फैलती गंदगी के कारण नदी का अस्तित्व खतरे में है। इसके चलते मुरार क्षेत्र का भू-जल स्तर भी तेजी से नीचे गिरता जा रहा है। जो कि भविष्य के लिए गंभीर जल संकट पैदा कर सकता है। नदी का न होना पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में भावी पीढ़ी के भविष्य को देखते हुए जल और पर्यावरण संरक्षण के खातिर नदी के जीर्णोद्धार का जन अभियान चलेगा। अभियान को मूर्तरूप देने और कार्य योजना तैयार करने के लिए 29 जून शनिवार को दोपहर तीन बजे गोयल वाटिका हुरावली पर विशाल बैठक का आयोजन किया गया है। जल संरक्षण और नदी के पुराने वैभव को लौटाने के अभियान के इस महायज्ञ में समाजसेवी, स्वयं सेवी संगठन, राजनीतिक दल, व्यक्तिगत रूप से अपनी उपस्थिती रूपी आहुति देकर सहयोग करें।

सर्विक्स कैंसर वैक्सीन कैंप का आयोजन, 35 महिलायें व 10 बच्चों को लगी वैक्सीन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। गुरूवार को इनर व्हील क्लब मुरैना, भारत विकास परिषद शाखा मुरैना एवं जिला माहेश्वरी महिला संगठन मुरैना के संयुक्त तत्वाधान में सर्विक्स कैंसर वैक्सीन सेकंड डोज कैंप का आयोजन पार्वती नर्सिंग होम मुरैना में किया गया। ग्वालियर ओब्सटेट्रिक एंड गाइनेक एसोसिएशन के अंतर्गत इस कैम्प में कैम्प कॉर्डिनेटर, एचपीव्ही चैम्पियन डॉ. सुधा माहेश्वरी सर्वाइकल कैंसर एलिमिनेशन, डॉ. हेमा सिंघल, डॉ. मीरा बांदिल उपस्थित रहीं। पूर्ण निर्धारित रजिस्ट्रेशन के आधार पर कुल 45 रजिस्ट्रेशन किए गए, जिसमें 35 महिलाएं एवं 10 बच्चियों को वैक्सीन का डोज लगया गया।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की अध्यक्षा श्वेता माहेश्वरी, सचिव अर्चना शर्मा एवं जिला माहेश्वरी महिला संगठन के सदस्य, इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा पूजा मोदी एवं करुणा जैन, वीना मोदी, राधिका माहेश्वरी, निशा तिवारी, कंचन यादव, अस्मिता जैन, रचना सुर्जन, रुचि सुर्जन, नेहा सुर्जन, दीपा कोठारी, रिचा कोठारी, गीता राठी आदि सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर कैंप की कोऑर्डिनेटर डॉ. सुधा महेश्वरी के द्वारा विस्तृत रूप से सर्विक्स कैंसर के बारे में बताया गया एवं कब और किस समय इसका वैक्सीनेशन कराया जाना चाहिए और क्या इसकी महत्त्ता है। इस विषय पर संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं उपस्थित सदस्यों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी संतुष्टि पूर्वक उत्तर दिया। वैक्सीन का तीसरा डोज आगामी 0-6 माह बाद पुनः लगाया जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा जी की मित्रता प्रेम की पराकाष्ठा का अनुपम उदाहरणः डॉ.जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज

गुप्ता वैंकट हॉल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। माधौपुरा की पुलिया के पास स्थित गुप्ता वैंकट हॉल में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। यहां पर कथा का वाचन डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुरजी महाराज द्वारा किया गया। कथा की परीक्षत श्रीमती सूरज देवी-रामजीलाल सविता थे। आयोजक परिवार के सत्यप्रकाश सविता ईओडब्ल्यू म.प्र.पु. ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ने इस आयोजन में अपना प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान किया उनके प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं।

कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए महाराजश्री ने कहा कि भगवान अपने भक्तों के कष्ट दूर करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं। बस जरूरत इस बात की है कि भक्त ईश्वर की शरण में जाए। उन्होंने सुदामा चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि सुदामा जी व भगवान श्रीकृष्ण अनन्य मित्र थे। वे संदीपनी जी के आश्रम में साथ-साथ पढ़े हुए थे। एक दिन आश्रम में सुदामा जी भगवान के चना खा जाते हैं। यहीं से उनके जीवन में अभिशप्तता प्रारंभ हो जाती है। भगवान द्वारिका आ जाते हैं। सुदामा जी अपनी नगरी में गुरबत के दिन काट रहे हैं। एक दिन सुदामा जी की धर्मपत्नी सुशीला उन्हें द्वारिका जाने के लिए बड़ी मुश्किल से तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की शरण में जाने के लिए जीवात्मा बड़ी मुश्किल से तैयार होता है, लेकिन जब तैयार हो जाता है तो उसे ईश्वर की प्राप्ति हो जाती है। सुदामा जी इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। सुदामा जी अनेक तरह की परेशानियों को झेलते हुए द्वारिका पहुंच जाते हैं और द्वारपाल को अपना पूरा परिचय देते हैं। जब द्वारपाल महल में जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि एक फटेहाल ब्राह्मण अपने आपको आपका मित्र बता रहा है अपना नाम सुदामा बताता है। इतना सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण नंगे पैर अपने सिंहासन को छोड़कर महल के द्वार की ओर दौड़कर आते हैं। कथावाचक डॉ. जगन्नाथ दीक्षित ठाकुर जी महाराज ने कहा कि यदि भक्त ईश्वर प्राप्ति की दिशा में कुछ कदम बढ़ाता है तो भगवान उसकी ओर दौड़कर आते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान सुदामा जी को महल में ले जाकर अपने हाथों से उनके पैर धोते हैं। यहां पर भगवान के नेत्रों से अविरल अश्रु धारा बह रही होती है। यह ईश्वर और भक्त के प्रेम की पराकाष्ठा है। जहां ईश्वर खुद अपने भक्त के पैर धो रहे हैं। बाद में भगवान श्रीकृष्ण भाभी द्वारा प्रदत्त तीन मुट्ठी चावल खाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से सुदामा जी को तीनों लोकों का ऐश्वर्य प्रदान कर देते हैं।

किसान हितैषी निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान का हार्दिक आभारः मंत्री ऐदल सिंह कंषाना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का किसान हितैषी निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने मध्यप्रदेश की जनता और किसानों की ओर से बधाई और शुभकामनाएं भी दी।कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों के हित में सतत निर्णय ले रही है। मंगलवार को मंत्री परिषद की बैठक में विकासखंड स्तर पर नवीन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं के भवन एवं प्रयोगशाला उपकरणों को युवा उद्यमियों या संस्थाओं को उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी है। सरकार के द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक फैसले से हजारों नौजवानों को रोजगार मिलेगा साथ ही मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं का बेहतर उपयोग भी हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इन मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं से किसानों को उत्पादन बढ़ाने में आवश्यक सुझाव देकर मदद की जा सकेगी।कृषि मंत्री श्री कंषाना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 'एक पेड़ माँ के नाम' के अभियान को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित कर साढ़े 5 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित अभियान में लगाए जाने वाले पेड़ों की सुरक्षा की गारंटी हमारे स्थानीय प्रशासन की रहेगी। सरकार इसकी सतत मॉनिटरिंग करेगी जिससे अभियान अंतर्गत लगाये जाने वाले पौधे, वृक्ष बन सके और पर्यावरण संरक्षण में हम सभी सहभागी बन सके।

अब तक 3223 ई-रिक्शा का हुआ पंजीयन

ग्वालियर। शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा रहा है। पाँच दिन के भीतर 3223 ई-रिक्शा पंजीकृत किए जा चुके हैं। ग्वालियर शहर में की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए जायेंगे। इसी सिलसिले में ई-रिक्शों का पंजीयन किया जा रहा है। पंजीयन के पाँचवे दिन सायंकाल 5 बजे तक 598 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया।

ज्ञात हो गत 23 जून से शहर में आधा दर्जन स्थानों पर नाके सह शिविर लगाकर ई-रिक्शा का पंजीयन शुरू किया गया था। इन

स्थलों पर पंजीयन का काम 29 जून तक किया जायेगा। ई-रिक्शा का पंजीयन कराने के लिये एक हफ्ते का अंतिम मौका दिया गया है। अंतिम तिथि के बाद बगैर पंजीयन के कोई ई-रिक्शा शहर में चलता मिला तो उसे जब्त करने की कार्रवाई की जायेगी। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजीयन के पाँचवे दिन यानि 27 जून को हजीरा क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 90 ई-रिक्शा का पंजीयन किया गया। इसी तरह बारादरी पर 82, गोला का मंदिर पर 116, फूलबाग चौराहे पर 85, महाराज बाड़ा पर 115 एवं आमखो पर स्थापित किए गए नाका सह शिविर में 110 ई-रिक्शों का पंजीयन किया गया। पाँचों दिनों के पंजीयन को मिलाकर हजीरा क्षेत्र में स्थापित नाके पर 583, बारादरी में 442, गोला का मंदिर में 648, फूलबाग में 405, महाराज बाड़ा में 631 एवं आमखो क्षेत्र में स्थापित किए गए नाका सह शिविर में अब तक 514 ई-रिक्शा का पंजीयन किया जा चुका है।

भाजपाकाल में आए दिन बंद हो रहे हैं सरकारी स्कूलः विष्णुकान्त शर्मा

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में भाजपाकाल में पिछले 10 साल में स्कूली शिक्षा पर 1.50 से 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, बावजूद इसके इस दौरान सरकारी स्कूलों में 39 लाख बच्चे कम हो गए हैं। स्कूल शिक्षा में 2022-23 में 27 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रावधान था। उसके बाद भी पिछले 10 सालों में लगभग 30 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद हुए जो यह दर्शाता हैं कि भाजपा प्रदेश में किसान, आदिवासी, दलित, ओबीसी और गरीब लोगों के बच्चों को शिक्षा से वंचित रखना चाहती हैं क्योंकि सरकारी स्कूलों में इन्ही वर्गों के बच्चे सबसे ज्यादा पढ़ाई करते हैं। कांग्रेस सदभावना अध्यक्ष विष्णुकान्त शर्मा ने बताया कि भाजपाकाल में आए दिन सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं, कई स्कूलों में एक ही शिक्षक हैं। सरकार शिक्षक को दूसरे कार्यों में लगा के रखती है जिससे स्कूल में शिक्षक पड़ा नहीं पाता। शिक्षा मंत्री से जुगाड़ से कई शिक्षक जिनकी ड्यूटी ग्रामीण के स्कूल में लगी हैं लेकिन वो वंहा पढाने नहीं जाते, बल्कि शहरी स्कूल में ड्यूटी लगवालेते जिनकी स्कूल में जरुरत नहीं होती है, सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे लाइट, पंखा, साफ पीने का पानी, टेबल कुर्सी, टॉयलेट, खेल मैदान, शिक्षा सामग्री इत्यादि की कमी हैं।

रोजगार कार्यालय में आज प्लेसमेंट ड्राइव

ग्वालियर। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के अंतर्गत 28 जून को प्रातः 11 बजे से गोले का मंदिर मुरैना लिंक रोड़ पर रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर स्थित जिला रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव (रोजगार मेला) का आयोजन होगा। प्लेसमेंट ड्राइव में निजी क्षेत्र की 8 कंपनियाँ भर्ती करने आ रही हैं। विस्तृत जानकारी के लिये जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

उपसंचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्लेसमेंट ड्राइव में रिलायंस जिओ प्रा.लि. ग्वालियर द्वारा होम सेल्स ऑफीसर व जिओ फायबर इंजीनियर, टैलेन्ट स्टाक प्रा.लि. नोएडा द्वारा एग्ज्यूकेटिव सेल्स पैकर्स, यशस्वी अकादमी फॉर टैलेन्ट मैनेजमेंट ग्वालियर द्वारा ट्रेनी वर्कर, नेट आग्रेनिक डायमंड प्रा. लि. सागर द्वारा रिलेशनशिप ऑफीसर, एग्रीकल्चर ऑफीसर व सेल्स मार्केटिंग, सुप्रीम प्रा. लि. मालनपुर द्वारा ट्रेनी, वेंकेज प्रा.लि. अहमदनगर महाराष्ट्र द्वारा ट्रेनी वर्कर एवं भारतीय एयरटेल प्रा. लि. ग्वालियर द्वारा कस्टमर रिलेशनशिप ऑफीसरफील्ड सेल्स एग्ज्यूकेटिव एवं आयसर एकेडमी प्रा.लि. शिवपुरी द्वारा ऑटोमोटिव टैक्नीशियन व व्हीकल ड्राइवर की भर्ती की जायेगी। चयनित उम्मीदवारों को लगभग 10 हजार रूपए से लेकर 25 हजार रूपए तक वेतन देय होगा। प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिये युवाओं को रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में उपस्थित होने वाले युवक-युवतियों के लिये कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित,
आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।